

ज्वाला एक्सप्रेस न्यूज



आर.एन.आई. नं. :- CHHHIN/2021/82386

सत्वी खबर सबसे पहले

online- jwalaexpress.com

वर्ष - 05, अंक -18

दुर्ग (छ.ग.), दिनांक 08 जनवरी से 14 जनवरी 2026 (प्रत्येक गुरुवार)

पृष्ठ - 8, मूल्य - 05 रुपए

श्रीरामजानकी मंदिर के शिखर पर लहराई धर्मध्वजा: मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने प्रदेश की समृद्धि की कामना की

आध्यात्मिक चेतना, सामाजिक समरसता और सांस्कृतिक पुनर्जागरण का केंद्र बनेगा सिरकट्टी धाम : मुख्यमंत्री साय

जनसहभागिता से निर्मित भव्य श्रीरामजानकी मंदिर छत्तीसगढ़ की आस्था और एकजुटता का प्रतीक : मुख्यमंत्री साय

रायपुर (ज्वाला एक्सप्रेस)। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने गरियाबंद जिले के सिरकट्टी धाम आश्रम स्थित श्रीरामजानकी मंदिर में विधिवत पूजा-अर्चना कर प्रदेशवासियों के सुख, शांति और समृद्धि की कामना की तथा मंदिर के सर्वोच्च शिखर पर धर्मध्वजा की स्थापना की। उन्होंने आश्रम को सामाजिक समरसता, सांस्कृतिक पुनर्जागरण और आध्यात्मिक चेतना का केंद्र बताते हुए आश्रम परिसर में समरसता भवन के निर्माण के लिए 50 लाख रुपये की सहायता राशि देने की घोषणा की।

मुख्यमंत्री श्री साय ने कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि अयोध्या में श्रीराम मंदिर के निर्माण के बाद पूरे देश में जो आध्यात्मिक चेतना का वातावरण निर्मित हुआ है, उसी की अखंड धारा का विस्तार आज



सिरकट्टी धाम में धर्मध्वजा स्थापना के रूप में दिखाई दे रहा है। उन्होंने कहा कि हमारा देश ऋषि-मुनियों, साधु-संतों और आध्यात्मिक परंपराओं की पवित्र भूमि है। हमें धर्म को केवल आस्था के रूप में नहीं, बल्कि कर्तव्य के रूप में स्वीकार करना चाहिए।

मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि छत्तीसगढ़ का सौभाग्य है कि प्रभु श्रीराम ने अपने वनवास काल का अधिकांश समय यहीं व्यतीत किया। दंडकारण्य के रूप में विख्यात अबूझमाड़ का

विशाल जंगल कभी नक्सल समस्या से प्रभावित क्षेत्र था, जो आज तेजी से नक्सलवाद से मुक्त हो रहा है। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार द्वारा श्री रामलला अयोध्या धाम दर्शन योजना के अंतर्गत अब तक 39 हजार से अधिक श्रद्धालुओं को अयोध्या धाम की निशुल्क तीर्थयात्रा कराई जा चुकी है। मुख्यमंत्री तीर्थयात्रा दर्शन योजना के अंतर्गत भी अब तक पांच हजार से अधिक श्रद्धालु लाभान्वित हुए हैं। मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि प्रदेश के पांच

शक्तिपीठों के विकास का कार्य भी निरंतर प्रगति पर है। उन्होंने कहा कि भोरमदेव क्षेत्र के समग्र विकास के लिए स्वदेश दर्शन योजना के तहत 148 करोड़ रुपये की स्वीकृति मिल चुकी है तथा रतनपुर के विकास के लिए भी प्रस्ताव प्रेषित किया गया है। उन्होंने कहा कि राजिम कल्प-कुंभ का आयोजन भी इस बार भव्य स्वरूप में किया जाएगा।

मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि श्रीरामजानकी मंदिर का भव्य स्वरूप



जनसहभागिता का अनुपम उदाहरण है। लगभग 22 हजार परिवारों के सहयोग से लगभग 9 करोड़ रुपये की लागत से निर्मित यह मंदिर बीते 10 वर्षों की तपस्या का परिणाम है। राजस्थान के शिल्पियों द्वारा पारंपरिक शैली में बिना सीमेंट और छड़ के उपयोग के निर्मित इस मंदिर की आयु लगभग एक हजार वर्ष आंकी गई है। उन्होंने मंदिर निर्माण में सहयोग करने वाले सभी दानदाताओं और श्रद्धालुओं के प्रति आभार व्यक्त करते हुए इसे छत्तीसगढ़ की आस्था और एकजुटता का प्रतीक बताया। कार्यक्रम में उपमुख्यमंत्री श्री अरुण साव ने

धर्मध्वजा रोहण को ऐतिहासिक क्षण बताया। उन्होंने कहा कि यह केवल परंपरागत ध्वजारोहण नहीं, बल्कि छत्तीसगढ़ में धर्म, अध्यात्म और सामाजिक समरसता की स्थापना का प्रतीक है। कैबिनेट मंत्री श्री गुरु खुशवंत साहेब ने कहा कि हम सभी के लिए सिरकट्टी धाम में धर्मध्वजा की स्थापना देखना अलौकिक अनुभव है। कार्यक्रम में सिरकट्टी आश्रम के महामंडलेश्वर महंत संत गोवर्धन शरण व्यास ने स्वागत उद्बोधन में सिरकट्टी आश्रम की स्थापना और महत्व पर जानकारी दी।

नितिन गडकरी का बड़ा खुलासा

सड़क के बीच में आ रहा था ससुर का घर, मैंने बिना सोचे चलवा दिया बुलडोजर

नई दिल्ली। भारत के सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी ने हाल ही में यूट्यूबर फ्राह खान को इंटरव्यू दिया है. इस दौरान उनकी पत्नी कंचन भी साथ रहीं. दोनों ने अपने पुराने दिनों को याद करते हुए कहानी बताई. गडकरी ने यह भी बताया कि अपने पावर का कहां इस्तेमाल किया. इंटरव्यू काफी मजेदार रहा. यहां जानिए क्या-कुछ कहा?

बता दें, फ्राह खान जहां भी जाती हैं वो अपने कुक दिलीप को जरूर ले जाती हैं. इस इंटरव्यू के दौरान भी वे दिलीप के साथ ही पहुंची थीं. फ्राह के सवालों का जवाब देने के लिए नितिन गडकरी के साथ उनकी पत्नी कंचन भी साथ रहीं. इस दौरान फ्राह के कुक दिलीप ने नितिन गडकरी से अपने गांव में छोटी सी सड़क बनाने को कहा. इससे पहले वह कई बार



फ्राह से भी आग्रह कर चुका है. फ्राह उसकी बातों को सुनकर थोड़ी नाराजगी के साथ बोलीं कि मंत्री जी दिलीप के घर के बीच से सड़क बना दें.

सड़क बढ़ाने के लिए ससुर का गिराया था घर

फ्राह की यह बात सुनकर गडकरी की पत्नी कंचन ने उन्हें टोका और कहा कि फिर तो उसके पास कोई घर ही नहीं बचेगा. इस दौरान कंचन ने पुराना किस्सा सुनाया और कहा कि ठीक उसी प्रकार जैसे मेरे पिता का घर गया. यह सुनकर फ्राह चौंक गईं. तब नितिन गडकरी बोले कि मैंने इसके

पिता का घर तोड़ा था, क्योंकि मुझे वहां पर सड़क बढ़ानी थी. यह सुनकर जब फ्राह ने पूछा कि नया घर बनाया कि नहीं तो उन्होंने कहा कि नया घर नहीं दिया.

शादी की सालगिरह भूल गए गडकरी

इसके बाद फ्राह ने नितिन गडकरी से पर्सनल सवाल पूछे. उन्होंने पहला सवाल किया कि आपको शादी को कितने साल हो गए. यह सुनकर गडकरी मुस्कराए और थोड़े से कन्फ्यूज्ड दिखे और फिर बोले कि आपको ये उत्तर कंचन बता देगी. यह सुनकर फ्राह ने तंज कसते हुए कहा कि बिल्कुल मर्दों जैसा, शादी की सालगिरह भूल गए, फिर कंचन ने बताया कि शादी को 41 साल हो गए.

सुनाई कोलकाता की कहानी

अंत में उन्होंने एक मजेदार कहानी सुनाई. उन्होंने बताया कि हाल ही में कोलकाता के एक रेस्टोरेंट में खाना खाने गया, जहां गुझे रेस्टोरेंट का चाइनीज फूड बहुत पसंद आया. इसके बाद हमने रेस्टोरेंट में कहा कि हमारे पर्सनल शेफ को भी ट्रेन करो ताकि यह स्वाद हमें घर पर ही मिल सके. यह सुनकर उन्होंने मना कर दिया. बोले कि यह हमारी पॉलिसी के खिलाफ है. फिर हमने पूछा कि क्या आपको पता है कि यह रेस्टोरेंट किसका है? मेरा है क्योंकि यह कोलकाता पोर्ट ट्रस्ट की जमीन पर है और मैं शिफिंग मिनिसटर हूँ अगर मेरे शेफ को नई सिखाया तो लीज कैसिल कर दूंगा. यह सुनकर फ्राह हंस पड़ी और बोलीं कि आपने पावर का सही जगह इस्तेमाल किया.

प्रयागराज में ही क्यों लगता है माघ मेला? हरिद्वार-उज्जैन और नासिक में भी तो गिरी थीं अमृत की बूंदें

प्रयागराज। माघ मेले को आस्था, साधना और पुण्य का विशेष अवसर माना जाता है. साल 2026 में 3 जनवरी से लेकर 15 फरवरी तक प्रयागराज में माघ मेला लगेगा. धार्मिक मान्यता के अनुसार, माघ मेले के दौरान गंगा स्नान करने से पूर्ण के पूर्ण जन्मों के पापों से मुक्ति मिलती है और सेहत अच्छी रहती है. लेकिन क्या आपने कभी इस बात पर गौर किया है कि माघ मेला प्रयागराज में ही क्यों लगता है? यदि नहीं, तो चलिए जानते हैं इसके पीछे के रहस्य के बारे में.



प्रयागराज से जुड़ा रहस्य

मत्स्य पुराण और पद्म पुराण के मुताबिक, सृष्टि के निर्माण के समय ब्रह्मा जी ने प्रयागराज में 'अश्वमेध यज्ञ' करवाया था, जो कि धरती पर होने वाला सबसे पहला यज्ञ था. अश्वमेध यज्ञ के कारण ही इस स्थान का नाम प्रयागराज रखा गया. जब हम प्रयागराज का संधि विच्छेद करेंगे तो प्रथम + यज्ञ (प्र- प्रथम, याग- यज्ञ) आएगा.

माघ मेला प्रयागराज में ही क्यों लगता है?

पौराणिक कथा के अनुसार, समुद्र मंथन से जब

अमृत का कलश निकला था, तो उसे लेने के लिए देवताओं और असुरों के बीच लड़ाई हो रही थी. इसी दौरान अमृत की 4 बूंदें धरती पर गिर गईं. ये बूंदें हरिद्वार, उज्जैन, नासिक और प्रयागराज में गिरी थीं. माना जाता है कि माघ के माघ मेले में प्रयागराज के संगम का जल अमृत के समान (सुद्ध) हो जाता है, जिसमें स्नान करने से व्यक्ति को विशेष लाभ होता है. इसी वजह से हर बार प्रयागराज में ही माघ मेले का आयोजन किया जाता है.

माघ मेला 2026 के प्रमुख खान

पौष पूर्णिमा- 3 जनवरी 2026 (शनिवार)
मकर संक्रांति- 14 जनवरी 2026 (बुधवार)
मौनी अमावस्या- 18 जनवरी 2026 (रविवार)
बसंत पंचमी- 23 जनवरी 2026 (शुक्रवार)
माघी पूर्णिमा- 01 फरवरी 2026 (रविवार)
महाशिवरात्रि- 15 फरवरी 2026 (रविवार)

प्रयागराज के संगम तट पर माघ मेले के दौरान एक विशेष साधना की जाती है, जिसे कल्पवास कहते हैं. इसमें श्रद्धालु व धर्म गुरु एक निश्चित अवधि तक संगम के समीप रहकर संयमित जीवन जीते हैं.

मनरेगा से जिले में 49,126 ग्रामीण मजदूरों को मिल रहा रोजगार



300 में से 294 ग्राम पंचायतों में चल रहे हैं मनरेगा के कार्य

धमधा क्षेत्र में सर्वाधिक रोजगार

दुर्ग (ज्वाला एक्सप्रेस)। जिले में महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी योजना (मनरेगा) के अंतर्गत व्यापक स्तर पर रोजगार उपलब्ध कराया जा रहा है। वर्तमान में जिले की 300 ग्राम पंचायतों में से 294 ग्राम पंचायतों में मनरेगा के विभिन्न प्रकार के कार्य संचालित किए जा रहे हैं,

जिनसे 49,126 ग्रामीण मजदूरों को रोजगार मिल रहा है। इन कार्यों के लिए कुल 1,642 मस्टर रोल जारी किए गए हैं।

जिले के धमधा जनपद पंचायत क्षेत्र में मनरेगा के तहत सर्वाधिक रोजगार उपलब्ध कराया जा रहा है। यहाँ 25,298 मजदूरों को रोजगार मिला है तथा 586 मस्टर रोल जारी किए गए हैं। धमधा क्षेत्र की 119 ग्राम पंचायतों में से 115 ग्राम पंचायतों में वर्तमान में कार्य चल रहे हैं।

दूसरे स्थान पर जनपद पंचायत पाटन है, जहाँ 108 ग्राम पंचायतों में 14,997 मजदूरों को रोजगार

प्रदान किया जा रहा है और 564 मस्टर रोल जारी किए गए हैं। वहीं, जनपद पंचायत दुर्ग की 71 ग्राम पंचायतों में 8,831 मजदूरों को रोजगार मिला है, जिसके लिए 709 मस्टर रोल जारी किए गए हैं।

जिला पंचायत दुर्ग के मुख्य कार्यपालन अधिकारी श्री बजरंग कुमार दुबे ने बताया कि मजदूरों की मांग के आधार पर गत वर्ष की तुलना में लगभग तीन गुना अधिक मजदूरों को रोजगार उपलब्ध कराया जा रहा है। जन-जागरूकता अभियान चलाकर मजदूरों को निरंतर रोजगार से जोड़ा जा रहा है। मनरेगा के

अंतर्गत जिले में आजीविका डबरी निर्माण, तालाब गहरीकरण, नाली निर्माण, वृक्षारोपण, आंगनबाड़ी भवन निर्माण, अमृत सरोवर, सोख पिट, रिचार्ज पिट एवं चेक डेम जैसे विभिन्न रोजगारमूलक निर्माण कार्य संचालित किए जा रहे हैं। ग्रामीण मजदूरों के लिए मनरेगा एक बड़ा सहारा सिद्ध हो रहा है। खरीफ फसल की खेती-किसानी का कार्य पूर्ण होने के बाद ग्रामीण क्षेत्रों में अधिक से अधिक मिट्टी के कार्य प्रारंभ किए जाने की मांग भी लगातार सामने आ रही है, ताकि ज्यादा से ज्यादा मजदूरों को रोजगार उपलब्ध कराया जा सके।

भारत की पहली बुलेट ट्रेन 2027 तक पटरी पर दौड़ेगी

महाराष्ट्र में दूसरी टनल का निर्माण

नई दिल्ली। देश की बहुप्रतिक्षित बुलेट ट्रेन को लेकर बड़ा अपडेट सामने आया है. रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने गुरुवार को इसके बारे में संकेत दिया था. उन्होंने कहा था कि, 15 अगस्त, 2027 को पहली बुलेट ट्रेन मिलने की संभावना है.

रेल मंत्री ने कहा था कि, देश अगले साल अपनी पहली बुलेट ट्रेन को पटरियों पर दौड़ते हुए देखेगा. मुंबई-अहमदाबाद बुलेट ट्रेन के चालू होने के बाद, यह मिडिल क्लास को तेज, भरोसेमंद और सस्ती आने-जाने की सुविधा देकर इंटरसिटी यात्रा को बदल देगी. यह कम किराए में लगभग दो घंटे की दूरी तय करेगी.

केंद्रीय रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने शुक्रवार को कहा कि, बुलेट ट्रेन के प्रोजेक्ट का काम तेजी से चल रहा है. यह परियोजना 2027 तक पूरा हो जाएगी. उन्होंने कहा कि, पालघर में माउंटन टनल-5 के बनने के साथ ही प्रोजेक्ट ने आज एक और मील का पत्थर हासिल कर लिया है. रेल मंत्री ने बताया कि, प्रोजेक्ट में कुल 7 माउंटन टनल और एक अंडरसैट टनल है. रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने बताया



कि, बुलेट ट्रेनें 2027 तक पटरी पर आ जाएंगी. इसका पहला सेक्शन सूरत से बिलिमोरा तक चालू किया जाएगा. दूसरा सेक्शन वापी से सूरत, फिर वापी से अहमदाबाद, फिर ठाणे से अहमदाबाद और आखिर में मुंबई से अहमदाबाद में शुरू होगा.

बुलेट ट्रेन प्रोजेक्ट के बारे में बताते हुए वैष्णव ने आगे कहा कि, पोल लगाने के लिए एक नई तरह की टेक्नोलॉजी का इस्तेमाल किया गया है, जिसमें पोल 22को जमीन से उठाकर वायडव्ट तक ले जाया जाता है. यह टेक्नोलॉजी भारत में डेवलप की गई है. अब जापान भी अपने प्रोजेक्ट्स में इसका इस्तेमाल करेगा.

केंद्रीय मंत्री ने ट्रेक सिस्टम की नई टेक्नोलॉजी के बारे में आगे बताया कि, उन्हें छ-स्वडुडु के लिए

एक बहुत अच्छा इनोवेशन मिला है. यह वह स्ट्रक्चर है जिस पर ट्रेक बिछाया जाता है. वैष्णव ने कहा कि, यह स्लैब फैक्ट्री में तैयार किया जाता है, साइट पर लाया जाता है, और फिर मशीनों का इस्तेमाल करके एक-एक करके बिछाया जाता है. बुलेट ट्रेन के 12 स्टेशन हैं, महाराष्ट्र में मुंबई, थाने, विरार और बोइसर. गुजरात में वापी, बिलिमोरा, सूरत, भरूच, वडोदरा, आनंद, अहमदाबाद और साबरमती. हालांकि, साबरमती और मुंबई टर्मिनल स्टेशन हैं. मुंबई स्टेशन क्राष्ट (बांद्रा-कुर्ला कॉम्प्लेक्स) में है, और तीन डिग्री बनाए गए हैं. पालघर जिले की सबसे लंबी सुरंगों में से एक, 1.5 किलोमीटर की पहाड़ी सुरंग, विरार और बोइसर बुलेट ट्रेन स्टेशनों के बीच है.

जयशंकर की दो टूक, आप पानी की मांग करते.....दूसरी ओर आतंकवादियों को भेजते हैं

नई दिल्ली। केंद्रीय विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने सिंधु जल समझौते के बहाने पाकिस्तान को फिर खरी-खोटी सुना दी है। उन्होंने पाकिस्तान का नाम लिए बिना कहा कि भारत के पास बुरे पड़ोसियों से खुद की रक्षा करने का पूरा अधिकार है। विदेश मंत्री ने कहा कि आप हमसे पानी बांटने का आग्रह नहीं कर सकते हैं, वहां भी तब जब आप (पाकिस्तान) हमारे यहां आतंकवाद फैला रहे हैं। वहीं, भारत ने जम्मू-कश्मीर में निलंबित सिंधु जल समझौते के तहत पाकिस्तान के हिस्से वाली चेनाब नदी पर नया पावर प्रोजेक्ट (दुलहस्तरी स्टेज-दूसरा पावर प्रोजेक्ट) बनाने का फैसला किया है। भारत के इस कदम से पाकिस्तान फिर से रोने लगा है। पड़ोसी देश ने कहा कि नई दिल्ली की ओर से चेनाब नदी पर पावर प्रोजेक्ट बनाने का ऐलान किया गया, लेकिन हमें इसकी जानकारी तकम से इस्लामाबाद को और मिच्री लगी है।

खेल जीवन का अभिन्न अंग, ऐसे आयोजन से पारस्परिक सम्बन्ध बनते हैं: विधायक मंडावी

ग्रामीणों की मांग पर हुरवे में सीसी सड़क एवं रंगमंच का घोषणा

मोहला

विधायक इंद्रशाह मंडावी आज मानपुर विकासखंड अंतर्गत ग्राम हुरवे ग्राम पंचायत हुरेली में दो दिवसीय युवक कबड्डी प्रतियोगिता के समापन समारोह में शामिल हुए। विधायक मंडावी ने समस्त ग्रामवासी एवं खिलाड़ियों को सम्बोधित करते हुए कहा कि खिलाड़ियों को कोई भी खेल खेलते रहना चाहिए। जिससे शारीरिक, मानसिक एवं बौद्धिक विकास हो सके और खिलाड़ी खेल भावना से खेले, हारे खिलाड़ियों को आगामी समय में दोगुने जोश से तैयारी करने के लिए कहा एवं जीते खिलाड़ियों को बधाई देते हुए आगे और मेहनत करने के लिए प्रेरित किया। विधायक ने कहा कि खेल जीवन का अभिन्न अंग है यह हम सबको अनुशासन एवं समय प्रबंधन का सीख देता है। अंतिम में निर्णायक मुकाबले कबड्डी फ़इनल मैच को टॉस कराकर खिलाड़ियों से परिचय प्राप्त किया एवं खेल का



विधिवत शुभारंभ किया।

असल में क्षेत्र का विकास जिला बनने के बाद से दिखाई दे रहा है-विधायक ने ग्रामीणों को संबोधित करते हुए कहा कि वनांचल क्षेत्र हुरेली तक अभी जिला प्रशासन की पहुंच बहुत सुलभ हो गई है जिससे शासन के हर योजनाओं से अब अंतिम व्यक्ति लाभ ले रहा है। नव जिला निर्माण से यह सब संभव हो पाया है। मेरा प्रयास रहा है कि अंतिम व्यक्ति तक शासन की योजनाएं पहुंचे यही कारण है कि हमने सड़क बनवाए, पुलिया के बिना अंतिम क्षेत्र तक पहुंच पाना मुश्किल

था पर हुरेली तक के लिए तीन पुलिया का निर्माण से अब आवागमन सुगम हुआ है। दोरदे में अस्पताल का भी निर्माण हुआ है जिससे स्वास्थ्य के क्षेत्र में सहूलियत मिल रही है। लंबे समय से हुरेली का कन्या आश्रम सीतागांव में संचालित हो रहा था जिसका निर्माण अब हो गया है जिससे बालिकाओं को अच्छी शिक्षा एक अच्छे माहौल में मिल सकेगा ये सब हम सबकी सामूहिक जिम्मेदारी है। कन्या आश्रम का नया भवन केवल भवन ही नहीं अपितु शिक्षा का एक ऐसा केंद्र साबित होगा जहां स्वतंत्र माहौल, शुद्ध वातावरण एवं

व्यवस्थाओं के बीच हमारी बच्चियां पढ़ाई करेंगी। विधायक ने ग्रामीणों की मांग पर सीसी सड़क एवं रंगमंच का घोषणा किया। दो दिवसीय युवक एवं युवती कबड्डी प्रतियोगिता के समापन समारोह में देवानंद कौशिक उपाध्यक्ष जनपद पंचायत मानपुर, सरपंच रंजना घावड़े, रैनु घावड़े, ऋषभ ठाकुर विधायक प्रतिनिधि, अमर वड्डे जनपद सदस्य मानपुर, श्रीराम तुलावी सरपंच मदनवाड़ा, राजाराम मंडावी, धरसुराम दुग्गा, समार मिंज, राजा मंडावी, समार दुग्गा एवं समस्त ग्रामवासी उपस्थित रहे।

आबकारी की टीम ने किया 25600 रुपये के अवैध शराब एवं लाहन जल

बलौदाबाजार

कलेक्टर दीपक सोनी के निर्देशानुसार एवं जिला आबकारी अधिकारी मुकेश अग्रवाल के मार्गदर्शन में आबकारी विभाग की टीम द्वारा सोमवार को 25600 रुपये का अवैध शराब एवं महुआ लाहन जल किया गया। प्राप्त जानकारी के अनुसार कसडोल वृत्त ग्राम चिखली, चौकी सोनाखान में आबकारी विभाग की टीम द्वारा आरोपी राजेन्द्र कुमार पिता प्रेमलाल उम्र 37 वर्ष ग्राम चिखली के कब्जे से 25.00 बल्क लीटर हाथभट्टी महुआ शराब जल किया गया।

हाथभट्टी कच्ची महुआ शराब का बाजार मूल्य 5000 रुपये होना पाया एवं 300 किलोग्राम महुआ लाहन जल किया गया। महुआ लाहन का बाजार मूल्य 18,000 रुपये होना पाया गया। आरोपी राजेन्द्र कुमार पिता प्रेमलाल उम्र 37 वर्ष ग्राम चिखली के विरुद्ध छत्तीसगढ़ आबकारी



अधिनियम 1915 की धारा 34 (1) च 34(2) 59 (क) प्रकरण कायम कर विवेचना में लिया गया। इसी प्रकार पलारी वृत्त ग्राम सरकीपार थाना पलारी में आबकारी विभाग की टीम द्वारा आरोपी सरजू बंजारे पिता गजजू बंजारे उम्र 38 वर्ष के कब्जे से 10.08 लीटर देशी मदिरा मसाला जल किया गया। देशी मदिरा मसाला का बाजार मूल्य 5,600 रुपये होना पाया गया। आरोपी सरजू बंजारे पिता

गजजू बंजारे उम्र 38 वर्ष सा. सरकीपार थाना पलारी के विरुद्ध छत्तीसगढ़ आबकारी अधिनियम 1915 की धारा 34 (2) 59 (क) प्रकरण कायम कर विवेचना में लिया गया। कार्यवाही में सहायक जिला आबकारी अधिकारी जलेश कुमार सिंह, आबकारी उपनिरीक्षक पी. माधव राय, नगर सैनिक राजकुमारी पैकार, दुर्गेश्वरी कुरें की महत्वपूर्ण भूमिका रही।

विधायक यास कश्यप की अनुशंसा से 47 लाख रू. के विकास कार्य स्वीकृत

कोण्डगांव

विधायक ब्यास कश्यप की अनुशंसा से जांजगीर-चांपा क्षेत्रांतर्गत ग्रामों में विकास कार्यों के लिए मुख्यमंत्री समग्र ग्रामीण विकास योजना अंतर्गत 47 लाख रुपये राशि की स्वीकृति प्रदान की गई है।

क्षेत्र की जनता की लंबे समय से चली आ रही मांग को ध्यान में रखते हुए विधायक ब्यास कश्यप की अनुशंसा पर मुक्तिधाम सह शेड निर्माण कार्य को स्वीकृति प्रदान की गई है। इस स्वीकृति से स्थानीय नागरिकों में हर्ष का माहौल है। प्राप्त जानकारी के अनुसार संबंधित ग्राम के मुक्तिधाम में अंतिम संस्कार एवं अन्य धार्मिक कार्यों के दौरान लोगों को होने वाली असुविधाओं को देखते हुए विधायक ब्यास कश्यप ने पंचायत एवं ग्रामीण विकास मंत्री विजय शर्मा के समक्ष मुक्तिधाम सह शेड निर्माण का प्रस्ताव रखा था। विधायक की सक्रिय पहल और अनुशंसा के बाद विभाग द्वारा निर्माण कार्य को हरी झंडी दे दी गई। विधायक ब्यास कश्यप ने बताया कि जांजगीर-चांपा विधानसभा के ग्राम गण्डड़ी (जांजगीर), धुरकोट,



गौद, मरकाडीह एवं अकलतरी में 9.40 लाख रुपये की लागत से मुक्तिधाम सह शेड निर्माण के लिए कुल 47 लाख रुपये राशि की स्वीकृति प्रदान की गई है। मुक्तिधाम में शेड का निर्माण होने से वर्षा और तेज धूप के समय लोगों को राहत मिलेगी तथा अंतिम संस्कार के दौरान आवश्यक सुविधाएं उपलब्ध हो सकेंगी। गांव के सरपंच तथा नागरिकों ने इस स्वीकृति के लिए विधायक ब्यास कश्यप का आभार व्यक्त किया है।

कसडोल

2 दिसंबर को कसडोल थाना प्रभारी शशांक सिंह के स्थानान्तरण होने पर बलौदाबाजार कोतवाली में पदस्थ रहे निरीक्षक अजय झा को पुलिस अधीक्षक भावना गुप्ता ने कसडोल थाने की कमान सौंपी है नवागत थाना प्रभारी श्री झा ने पदभार ग्रहण कर लिया। मंगलवार को मीडिया से चर्चा करते हुए थाना प्रभारी ने बताया कि प्राथमिक तौर पर कसडोल क्षेत्र में शांति व्यवस्था बनाए रखने पर विशेष ध्यान रहेगा। सूचना मिलने पर अफामाजिक तत्वों पर सख्त कार्रवाई की जावेगी साथ ही गलत गतिविधियों में शामिल लोगों पर भी कड़ी कार्रवाई की जाएगी। अपराधों पर नियंत्रण और यातायात



व्यवस्था मेरी पहली प्राथमिकता रहेगी, क्षेत्र में अमन चैन शांति रहे इसके लिए पुलिस के साथ- साथ आम नागरिकों को भी सहयोग करनी होगी। थाना प्रभारी ने बताया कि क्षेत्र अंतर्गत जुआ, सट्टा, शराब जैसे अपराधों को पनपने नहीं दिया

जाएगा। इस पर अंकुश लगाने के साथ ही अपराधियों को किसी भी सूरत में बख्शा नहीं जायेगा। इसके अलावा नवागत थाना प्रभारी ने स्पष्ट करते हुए कहा कि थाना परिसीमा में किसी भी प्रकार का अवैध कारोबार हुआ तो किसी भी कीमत पर उन अवैध कार्य करने वालों पर कड़ी कार्रवाई की जाएगी। ज्ञात हो कि श्री झा प्राथमिक तौर पर कांस्टेबल से लेकर सब इंस्पेक्टर तक सप्तर तय कर निरीक्षक का पद संभाल रहे हैं, श्री झा रायपुर, कोंडगांव सहित बलौदाबाजार क्षेत्र में सेवा दे चुके हैं।

जगदलपुर

क्रेडा (सौर ऊर्जा) विभाग में पदस्थ सोलर तकनीशियन प्रहलाद सिंह ठाकुर की सड़क हादसे में मृत्यु हो गई। वे नेगीरास लोहंडीगुड़ा निवासी थे और कार्य निष्पादन कर लौटते समय चित्रकोट रोड में धरमाऊर के पास सड़क हादसे का शिकार हुए। प्रहलाद सिंह ठाकुर अश्वय ऊर्जा विकास अधिकरण (क्रेडा) के अंतर्गत कार्यरत क्लस्टर टेक्नीशियन थे। उनकी मृत्यु की खबर से पूरे क्षेत्र में शोक की लहर है। प्रहलाद सिंह ठाकुर की मृत्यु से उनके परिवार और समुदाय को गहरा आघात पहुंचा है।



ट्रेलर के टक्कर गिरे बाईक सवार दपपी



जांजगीर चांपा

जिले जांजगीर चांपा के बलौदा ब्लॉक के अंतर्गत आने वाले पंतोरा के मुख्य मार्ग में मंगलवार की शाम पांच बजे बड़ा सड़क हादसा होने से टल गया आंगारखार निवासी अजय लहरें पंतोरा के बाजार से समान लेकर वापस घर लौट रहे थे इस दौरान विकास जनरल स्टोर्स के दुकान के सामने ही ट्रेलर क्रमांक सी जी 04 पी ई 2509 ने पीछे से आकर बाईक सवार दम्पति को जबरजस्त तरीके ठोकर मार दिया इस दौरान ट्रेलर को बाइक के पास आते देख अजय लहर की पत्नी

राजकुमारी लहरे ने अपने बच्चे अभय के साथ बाइक से कूद कर अपनी जान बचाई और अजय ट्रेलर के नीचे दबते दबते बाल बाल बच गया इस दौरान पंतोरा पुलिस मौके पर पहुंचकर ट्रेलर को पंतोरा चौकी में रखा है इस घटना से क्षेत्र के जनपद अध्यक्ष शारदा सनत देवांगन ने इस सड़क पर राखड़ गाड़ी पर प्रतिबंध लगाने की बात भी कही है और भारी वाहन और तेज रफ्तार से चलने वाले वाहन पर कार्यवाही करने की बात कही है घटना के दौरान बड़ी संख्या में ग्रामीण एकत्रित हुए और कुछ समय के लिए आवागमन बाधित रहा।

मुस्लिम प्रीमियर लीग सीजन 5 का ट्रॉफी



जगदलपुर

जगदलपुर। ऑल मुस्लिम वेलफेयर फ़ंडेशन वा द मन्नत पार्क मुस्लिम प्रीमियर लीग सीजन 5 का ट्रॉफी अनावरण ऑल मुस्लिम वेलफेयर फ़ंडेशन प्रदेश अध्यक्ष मोहम्मद सिराज साहब के नेतृत्व में नशा छोड़ो खेल चुनो सेहत एक नेमत के मकसद के तहत लगातार पिछले 5 सालों से जो मुस्लिम प्रीमियर क्रिकेट लीग का आयोजन करते आ रही है।

उसी कड़ी में मुस्लिम क्रिकेट प्रीमियर लीग के ट्रॉफी अनावरण मन्नत पार्क कॉलोनी में किया गया जिसमें सभी आठों टीमों के ओनर, कप्तान व खिलाड़ियों ने भाग लिया ऑल मुस्लिम वेलफेयर फ़ंडेशन के प्रदेश उपाध्यक्ष हाजी बसीम अहमद ने बताया कि हमारा मकसद लोगों को सेहत के प्रति जागरूक करना है इसी मकसद के तहत हमारा यह आयोजन हो रहा है और समाज में एक बीमारी की तरह नशे घर कर रहा है इससे भी लोगों को युवा वर्ग को दूर करने के

लिए नशा छोड़ें खेल चुने मुहिम के तहत या हमारा आयोजन लगातार 5 सालों से हो रहा है व क्रिकेट जो प्रतियोगिता है आईओएल के तर्ज पर आयोजित किया जा रहा है उन्होंने सभी खिलाड़ियों का सभी टीम ओनर का तहेदिल शुक्रिया अदा किया। इस आयोजन में मुख्य रूप से मुशीर भाई , मन्नत पार्क के डायरेक्टर मोहम्मद अमन गौस, आतिफ खान अलु भाई , फज़लुद्दीन शरीफ , अब्दुल रशीद पवार , महफूज़ा हुसैन , शेख यासीन आदि लोग शामिल हुए।

ग्राम पंचायत बगार में शराब बंदी को लेकर सत मुहिम, महुआ शराब के साथ महिला रंगे हाथ पकड़ाई



कसडोल

कसडोल अंतर्गत ग्राम पंचायत बगार में शराब बंदी को लेकर पंचायत एवं महिला समूह द्वारा सख्त मुहिम चलाई जा रही है। इसी कड़ी में शराब के खिलाफ जागरूकता रैली के दौरान पंचायत प्रतिनिधियों और महिला समूह ने ग्राम निवासी लीला

बाई नौरो के घर पर दबिश दी। दबिश के दौरान मौके से महुआ शराब के पाउच रंगे हाथों पकड़े गए। पंचायत और महिला समूह की तत्परता से गांव में अवैध शराब के खिलाफ स्पष्ट संदेश गया कि अब इस तरह की गतिविधियों को बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। पंचायत प्रतिनिधियों ने बताया कि ग्राम पंचायत बगार को पूर्णतः शराब मुक्त बनाने के लिए

आगे भी इस तरह की कार्रवाई लगातार जारी रहेगी। वहीं महिला समूह ने कहा कि शराब के कारण परिवार और समाज पर पड़ने वाले दुष्प्रभावों को रोकने के लिए सभी ग्रामीणों का सहयोग जरूरी है। इस कार्रवाई के बाद गांव में हड़कंप मच गया है और ग्रामीणों में शराब बंदी अभियान को लेकर जागरूकता बढ़ी है।

वर्ष 2026 का पहला जनदर्शन- धूप में बैठकर कलेक्टर ने सुनीं आमजन की समस्याएँ

कोरिया

कोरिया जिले की कलेक्टर श्रीमती चंदन त्रिपाठी ने वर्ष 2026 के पहले साप्ताहिक जनदर्शन कार्यक्रम में भी आम नागरिकों की सुविधा को प्राथमिकता देते हुए कलेक्ट्रेट परिसर में खुले आसमान के नीचे, मीठी धूप में जनदर्शन आयोजित किया। कलेक्टर ने न केवल फरियादियों की समस्याओं सुनीं, बल्कि उनके त्वरित एवं नियमसम्मत निराकरण के लिए संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया। उल्लेखनीय है कि वर्ष 2025 के अंतिम जनदर्शन की तरह इस वर्ष का पहला जनदर्शन भी खुले वातावरण में आयोजित किया गया,



जिसे आम नागरिकों ने सराहा। जनदर्शन कार्यक्रम में बैकुण्ठपुर, पटना, सोनहट एवं पोड़ी-बचरा क्षेत्र से आए फरियादियों ने अपनी विभिन्न समस्याओं से संबंधित आवेदन प्रस्तुत किए। कलेक्टर श्रीमती त्रिपाठी ने प्रत्येक आवेदन को गंभीरता से पढ़ते हुए त्वरित कार्यवाही के निर्देश दिए। कलेक्ट्रेट परिसर स्थित महात्मा गांधी की प्रतिमा के समीप आयोजित इस



जनदर्शन में सभी जिला स्तरीय अधिकारी उपस्थित रहे। कलेक्टर ने कहा कि प्रशासन की प्राथमिक जिम्मेदारी केवल आवेदनों को प्राप्त करना नहीं, बल्कि उनका समयबद्ध एवं प्रभावी समाधान सुनिश्चित करना है। उन्होंने बताया कि कड़ाके की ठंड को देखते हुए नागरिकों को किसी प्रकार की असुविधा न हो, इसी उद्देश्य से धूप में

जनदर्शन का आयोजन किया गया। जनदर्शन के दौरान भूमि पर अवैध कब्जा हटाने, बंटोकन, नामांतरण, नवशा प्रदाय, लॉबिंग भुगतान सहित विभिन्न विषयों से जुड़े अनेक आवेदन प्राप्त हुए। जनदर्शन में जिला पंचायत सीईओ डॉ. आशुतोष चतुर्वेदी, अपर कलेक्टर श्री सुवेद वैद्य, श्री डी.डी. मंडावी सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे।



बलोदा बाजार

बलोदा बाजार इस्कॉन प्रचार केंद्र द्वारा निरंतर 3 वर्षों से हरिनाम संकीर्तन का प्रचार किया जा रहा है। यहां प्रत्येक शुक्रवार को हरिनाम संकीर्तन किया जाता है जिसमें कृष्ण

भगवान जी की विशेष कथा एवं प्रसादम की भी व्यवस्था रहती है। अभी दिसम्बर माह में भगवद्गीता बुक मैथथन में इस्कॉन प्रचार केंद्र बलोदा बाजार द्वारा भगवद्गीता वितरण किया जा रहा है इस्कॉन बलोदा बाजार द्वारा 3 वर्षों में लगभग 1000 भगवद्गीता वितरित कर चुके हैं इसमें इस्कॉन के सदस्य प्रभु जी एवं माता जी



अत्यंत उत्साह के साथ भाग ले रहे हैं और ज्यादा से ज्यादा भगवद्गीता वितरण कर रहे हैं। इस प्रकार बलोदा बाजार क्षेत्र में हरिनाम संकीर्तन का प्रचार किया जा रहा है। इसी क्रम में आज बुद्धेश्वर प्रभु जी द्वारा नगर में भ्रमण कर श्रीमद्भगवद् गीता तथा श्री कृष्ण पुस्तक का वितरण किया गया।



उपमुख्यमंत्री विजय शर्मा ने साउथ एशियन बॉल बैडमिंटन चैंपियनशिप में स्वर्ण पदक जीतने वाली कवर्धा की बेटी रिया तिवारी का किया सम्मान

रिया की उपलब्धि प्रदेश की नई पीढ़ी के खिलाड़ियों के लिए बनेगी प्रेरणा-
उपमुख्यमंत्री विजय शर्मा

कवर्धा

बिहार की राजधानी पटना में 25 से 29 दिसंबर तक आयोजित साउथ एशियन बॉल बैडमिंटन चैंपियनशिप में भारतीय टीम ने शानदार प्रदर्शन करते हुए स्वर्ण पदक हासिल किया। इस प्रतिष्ठित अंतर्राष्ट्रीय प्रतियोगिता में भारत, नेपाल, भूटान और श्रीलंका सहित चार देशों की टीमों ने भाग लिया था। इस चैंपियनशिप में भारत की विजेटा टीम का हिस्सा बनकर देश और छत्तीसगढ़ का नाम रोशन करने वाली कवर्धा की होनहार खिलाड़ी सुश्री रिया तिवारी का उपमुख्यमंत्री विजय शर्मा ने सम्मान किया।



उपमुख्यमंत्री श्री शर्मा ने रिया को स्मृति चिन्ह एवं प्रशस्ति पत्र भेंट कर उनकी उपलब्धि की सराहना की तथा उज्ज्वल भविष्य के लिए शुभकामनाएं दीं। इस अवसर पर उपमुख्यमंत्री श्री शर्मा ने कहा कि रिया तिवारी की यह उपलब्धि न केवल कवर्धा जिले बल्कि पूरे छत्तीसगढ़ के लिए गर्व का विषय है। उन्होंने कहा कि सीमित संसाधनों के बावजूद अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर उत्कृष्ट

प्रदर्शन कर रिया ने यह सिद्ध कर दिया है कि प्रतिभा, अनुशासन और कठिन परिश्रम से कोई भी लक्ष्य असंभव नहीं होता। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि रिया भविष्य में भी देश के लिए अनेक पदक जीतेंगी और प्रदेश की नई पीढ़ी के खिलाड़ियों के लिए प्रेरणा बनेंगी।उपमुख्यमंत्री श्री शर्मा ने यह भी कहा कि राज्य सरकार खेल प्रतिभाओं को आगे बढ़ाने के लिए

हर संभव सहयोग प्रदान कर रही है। खिलाड़ियों को बेहतर प्रशिक्षण, सुविधाएं और प्रोत्साहन देने के लिए विभिन्न योजनाएं संचालित की जा रही हैं, ताकि ग्रामीण और दूरस्थ क्षेत्रों से आने वाले प्रतिभाशाली खिलाड़ी भी राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय मंच पर अपनी पहचान बना सकें। रिया ने कहा कि उनकी इस सफलता का पूरा श्रेय मेरे माता-पिता और मेरे कोच अविनाश चैहान एवं जय किशन को जाता है। उनके निरंतर मार्गदर्शन, अनुशासन और प्रेरणा के बिना यह उपलब्धि संभव नहीं हो पाती। हर कठिन समय में उन्होंने मेरा आत्मविश्वास बनाए रखा और मुझे आगे बढ़ने की शक्ति दी। यह जीते मेरे लिए केवल एक पदक नहीं, बल्कि मेरे खेल जीवन की एक नई शुरुआत है। मैं आगे भी पूरे समर्पण और मेहनत के साथ देश और प्रदेश के लिए उत्कृष्ट प्रदर्शन करने का प्रयास करूंगी।

कलेक्टर ने ली शासकीय हाई स्कूल एवं हायर सेकेंडरी के प्राचार्यों की बैठक

मध्यान्ह भोजन, अपार आईडी एवं शैक्षणिक व्यवस्थाओं की करें सतत निगरानी

जांजगीर-चांपा

कलेक्टर जन्मेजय महोबे ने मंगलवार को आकांक्षा आवासीय विद्यालय जांजगीर के सभाकक्ष में आगामी बोर्ड परीक्षा की तैयारियों के संबंध में शासकीय हाई स्कूल एवं हायर सेकेंडरी स्कूलों के प्राचार्यों की बैठक ली। कलेक्टर ने स्कूलवार परीक्षा परिणामों का विश्लेषण कर कम परिणाम के कारणों पर चर्चा की और आगामी बोर्ड परीक्षाओं में बेहतर रणनीति के साथ शिक्षण कार्य करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि बोर्ड परीक्षाओं में अब अधिक समय शेष नहीं है, ऐसे में रणनीति के साथ बच्चों को तैयारी कराई जाए। कठिन विषयों पर निरंतर अभ्यास, कमजोर विद्यार्थियों की पहचान कर विशेष मार्गदर्शन, विषयवार ब्लूप्रिंट की समझ तथा पूर्व वर्षों के प्रश्न पत्रों का अभ्यास अनिवार्य रूप से कराया जाए। कलेक्टर ने परीक्षा परिणाम को शत-प्रतिशत तक लाने के लिए हर



संभव प्रयास सुनिश्चित करने कहा। बैठक में उन्होंने कहा कि विद्यार्थियों के बेहतर परिणाम ही शिक्षकों के कार्य का वास्तविक मूल्यांकन हैं। प्रत्येक विद्यार्थी की क्षमता के अनुसार व्यक्तिगत मार्गदर्शन देकर उन्हें उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए प्रेरित किया जाए। कलेक्टर ने सभी प्राचार्यों, शिक्षकों एवं अधिकारियों से टीम भावना के साथ कार्य करने का आह्वान करते हुए कहा कि जिले के विद्यार्थी राज्य स्तर पर श्रेष्ठ प्रदर्शन करें, यही सामूहिक लक्ष्य होना चाहिए। कलेक्टर ने निर्देश दिए कि मध्यान्ह भोजन की गुणवत्ता, स्वच्छता, मेन्यू के अनुसार वितरण तथा बच्चों की नियमित उपस्थिति पर

सतत निगरानी रखी जाए। उन्होंने कहा कि मध्यान्ह भोजन में किसी भी प्रकार की शिकायत सामने नहीं आनी चाहिए। इसके साथ ही कलेक्टर ने सभी विद्यालयों में अपार आईडी निर्माण कार्य को प्राथमिकता के साथ शीघ्र पूर्ण कराने के निर्देश दिए। कलेक्टर ने स्कूली विद्यार्थियों के आधार अपडेशन कार्य में भी तेजी लाने के निर्देश दिए।

उन्होंने कहा कि जिन विद्यार्थियों का आधार अपडेटे लंबित है, उनका शीघ्र सत्यापन एवं अद्यतन कराया जाए। बैठक में जिला शिक्षा अधिकारी अशोक सिन्हा, डीएससी एच. आर. जायसवाल सहित संबंधित अधिकारी उपस्थित रहे।



अनूपपुर

जिले में शराब ठेकेदारों की मनमानी एक बार फिर सवालों के घेरे में है। एमडी रम जिसकी बोतल पर अंकित बारकोड क्रमांक 8902967400027, रस्का 2156 और रस्का 2180 दिसंबर 2025 दर्ज है, उसे ठेकेदार द्वारा खुलेआम 2220 में बेचे जाने के आरोप सामने आए हैं। यानी निर्धारित मूल्य से 240 अधिक वसूली जा रही है, जिससे क्षेत्र की जनता का खुले तौर पर आर्थिक शोषण हो रहा है।स्थानीय लोगों का कहना है कि यह सीधा-सीधा आबकारी नियमों का उल्लंघन है। नियमों के अनुसार किसी भी शराब की बिक्री रस्कासे अधिक मूल्य पर नहीं की जा

सकती, बावजूद इसके ठेकेदार बिना किसी डर के मनमाना दाम वसूल रहे हैं। इससे यह सवाल खड़ा हो गया है कि आखिर आबकारी विभाग की निगरानी व्यवस्था कहाँ है।केवल अधिक कीमत वसूलने का ही नहीं, बल्कि अवैध रूप से शराब बिकवाने के भी गंभीर आरोप सामने आए हैं। बताया जा रहा है कि शराब ठेके से बाहर, क्षेत्र के विभिन्न हिस्सों और यहां तक कि जिला मुख्यालय में भी कई स्थानों पर गैरकानूनी ढंग से शराब बेची जा रही है। इसके बावजूद सिटी कोतवाली और संबंधित पुलिस अमले द्वारा कोई ठोस कार्रवाई न किया जाना आमजन की समझ से परे है।स्थानीय नागरिकों का कहना है कि यदि खुलेआम नियमों की धज्जियां उड़ाई जा रही हैं और

कलेक्टर ने नेशनल रोवर-रेंजर जम्बूरी के लिए जिले के दल को हरी झण्डी दिखाकर किया रवाना

105 छात्र-छात्रा व 21 लीडर्स सहित 136 प्रतिभागी होंगे शामिल



जांजगीर-चांपा

कलेक्टर जन्मेजय महोबे ने नेशनल रोवर-रेंजर जम्बूरी दुधली, बालोद के लिए जिले के 136 सदस्यीय दल को आज कलेक्टरेटे परिसर से हरी झंडी दिखाकर रवाना किया।

इस दौरान जिले से तीन बसों के माध्यम से दल जम्बूरी के लिए प्रस्थान किया। इस अवसर पर पूर्व संसदीय सचिव अंबेश जांगड़े, नगर

पालिका जांजगीर-नैला अध्यक्ष रेखा गढ़ेवाल, जिला मुख्य आयुक्त भारत स्काउट एवं गाइड्स छत्तीसगढ़ हितेश यादव, पुष्पेन्द्र प्रताप सिंह, जिला शिक्षा अधिकारी अशोक सिन्हा सहित संबंधित अधिकारी-कर्मचारी उपस्थित रहे।

स्कूल शिक्षा मंत्री एवं राज्यध्यक्ष भारत स्काउट्स एवं गाइड्स छत्तीसगढ़ गजेन्द्र यादव के नेतृत्व में दुधली, बालोद में नेशनल रोवर-रेंजर जम्बूरी का आयोजन किया जा रहा है। जम्बूरी के अंतर्गत 7 एवं 8

जनवरी को राज्य स्तरीय पूर्वाभ्यास शिविर तथा 9 से 13 जनवरी तक नेशनल जम्बूरी कैम्प आयोजित होगा। जिले से चयनित 136 प्रतिभागी जिला सचिव दीपक कुमार यादव, डीओसी स्काउट डॉ. सुरेन्द्र कुमार सोनी एवं डीओसी गाइड कृ. श्वेता जायसवाल के नेतृत्व में प्रदर्शनी, क्रिज, एडवेंचर गतिविधियों सहित विभिन्न जम्बूरी आयोजनों में सहभागिता करेंगे। नेशनल रोवर-रेंजर जम्बूरी में देश-विदेश से लगभग 15 हजार रोवर एवं रेंजर शामिल होंगे।

तेज रतार ट्रक ने आगे चल रही पिकअप को मारा जोरदार टक्कर



जगदलपुर

बस्तर जिले के कागिर घाटी राष्ट्रीय उद्यान क्षेत्र में आज एक दर्दनाक सड़क दुर्घटना हो गई। राष्ट्रीय राजमार्ग 30 पर एक तेज रफ्तार ट्रक ने आगे चल रही पिकअप को जोरदार टक्कर मार दी,इस भीषण भिड़ंत में पिकअप सवार व तीन लोगों ने मौके पर ही दम तोड़ दिया।

बताया जा रहा है कि यह हादसा ?ब्रेक फेल होने से हुआ ?मिली जानकारी के अनुसार, पिकअप वाहन पखनार के साप्ताहिक बाजार

की ओर जा रहा था। इसी दौरान पीछे से आ रहे एक ट्रक का अचानक ब्रेक फेल हो गया।अनियंत्रित ट्रक ने पिकअप को इतनी जवरदस्त टक्कर मारी की वाहन के परखच्चे उड़ गए। टक्कर इतनी भीषण थी कि ट्रक का अगला हिस्सा भी बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया और चालक केबिन के भीतर ही फंस गया। सूचना मिलते ही दरभंगा पुलिस ने तत्काल राहत एवं बचाव कार्य शुरू कर दिया है। ट्रक के केबिन में फंसे ड्राइवर को सुरक्षित निकालने के लिए कटर मशीन का उपयोग किया गया।खबर लिखते तक इतनी जानकारी ही मिल पाई।

नगर पंचायत जरही में पक्षपात के आरोपों पर कांग्रेस पार्षदों का प्रदर्शन



कार्यालय का ताला खुलने नहीं दिया, विकास कार्यों में भेदभाव का आरोप

सूरजपुर/जरही

नगर पंचायत जरही में मंगलवार को कांग्रेस के उपाध्यक्ष एवं पार्षदों ने कथित पक्षपात और उपेक्षा के विरोध में जोरदार प्रदर्शन किया। कांग्रेस पार्षद नगर पंचायत कार्यालय के मुख्य द्वार पर खड़े हो गए और कार्यालय का ताला खुलने नहीं दिया। सुबह लगभग 11:30 बजे तक नगर पंचायत का गेट बंद रहा, जिससे कार्यालयीन कार्य प्रभावित रहे।कांग्रेस पार्षदों का आरोप है कि नगर पंचायत के जिम्मेदारों द्वारा उनके साथ लगातार भेदभाव किया जा रहा है। उनका कहना है कि कांग्रेस समर्थित पार्षदों के बाड़ों में विकास कार्यों की अनदेखी की जा रही है, जबकि अन्य दल के पार्षदों के बाड़ों को प्राथमिकता दी जा रही है। पार्षदों के अनुसार, विकास कार्यों से संबंधित प्रस्ताव नगर पंचायत को सौंपे गए थे,

लेकिन राशि आवंटन के दौरान असमान रवैया अपनाया गया।

फंड वितरण में भेदभाव का आरोप-प्रदर्शन कर रहे पार्षदों ने आरोप लगाया कि जिन बाड़ों का प्रतिनिधित्व कांग्रेस पार्षद करते हैं, वहां केवल छोटे और सीमित कार्य स्वीकृत किए गए, जबकि अन्य बाड़ों को अपेक्षाकृत अधिक फंड उपलब्ध कराया गया। इससे पार्षदों में भारी आक्रोश व्याप्त है।

उपाध्यक्ष पद की गरिमा की अनदेखी-कांग्रेस की उपाध्यक्ष उर्मिला राजवाड़े ने आरोप लगाया कि उपाध्यक्ष पद पर होने के बावजूद उनके साथ शुरू से ही उपेक्षापूर्ण व्यवहार किया गया। उन्होंने कहा कि उनके कक्ष में आवश्यक व्यवस्थाएं लंबे समय तक नहीं की गईं और नेम प्लेट भी काफी विलंब से लगाई गई,

जिससे जनप्रतिनिधियों के सम्मान पर सवाल खड़े होते हैं।

पीआईसी गठन नहीं, परिषद की अनदेखी-वरिष्ठ पार्षद सिद्धनाथ शर्मा ने कहा कि नगर पंचायत में अब तक पीआईसी का गठन नहीं हुआ है। उन्होंने आरोप लगाया कि परिषद की बैठकों में भी जनप्रतिनिधियों की बातों को गंभीरता से नहीं लिया जाता और निर्णय चुनिंदा स्तर पर किए जा रहे हैं। इससे चुने हुए पार्षद हारिशे पर जा रहे हैं।

आंदोलन तेज करने की चेतावनी-कांग्रेस पार्षदों ने चेतावनी दी कि यदि नगर पंचायत के जिम्मेदारों द्वारा अपनाया जा रहा पक्षपातपूर्ण रवैया नहीं बदला गया और सभी बाड़ों में समान रूप से विकास कार्य नहीं कराए गए, तो आंदोलन को और व्यापक किया जाएगा।

प्रदर्शन में रहे उपस्थित-इस दौरान कांग्रेस उपाध्यक्ष उर्मिला राजवाड़े, वरिष्ठ पार्षद सिद्धनाथ शर्मा, तुलसी सिंह, मधु पवन साय, करीना राजवाड़े, सुमित सोनी, राहुल जायसवाल तथा निर्दलीय पार्षद निशा बीजू दासन उपस्थित रहे।

गिग-वर्कर्स: डिजिटल सुविधा की चकाचौंध में पसीने का अंधेरा



ललित गर्ग

भारत सरकार द्वारा हालिया श्रम सुधारों में पहली बार गिग और प्लेटफॉर्म वर्कर्स को कानूनी रूप से परिभाषित किया गया है। एगीगेटर कंपनियों के टर्नओवर का एक से दो प्रतिशत सामाजिक सुरक्षा कोष में योगदान, आधार से जुड़े सार्वभौमिक खाता नंबर जैसी व्यवस्थाएँ एक लंबे समय से प्रतीक्षित कदम हैं।

ऑनलाइन बाजार और त्वरित सेवाओं के इस दौर में गिग-वर्कर्स शहरी जीवन-व्यवस्था की वह अदृश्य रीढ़ बन चुके हैं, जिनके बिना 'दस मिनट में डिलीवरी' और 'एक क्लिक पर सुविधा' की कल्पना भी नहीं की जा सकती। बाजार आने-जाने के झड़प से लोगों को मुक्त करने वाले ये युवा हर मौसम, हर समय और हर जोखिम में घर-घर सामान पहुँचाते हैं। लेकिन विडंबना यह है कि जिनके श्रम पर डिजिटल अर्थव्यवस्था की ऊँची इमारत खड़ी है, वही श्रमिक सबसे अधिक असुरक्षा, शोषण और उपेक्षा झेल रहे हैं। नये साल की पूर्व संध्या पर गिग-वर्कर्स द्वारा की गई हड़ताल ने भले ही देशव्यापी आपूर्ति-श्रृंखला को ठप न किया हो, लेकिन इसने उनकी बदहाल कार्य-परिस्थितियों की ओर देश का ध्यान अवश्य खींचा है। यह हड़ताल किसी राजनीतिक उकसावे का परिणाम नहीं, बल्कि लगातार बढ़ते काम के दबाव, घटते मेहनताने, नौकरी की अनिश्चितता और सम्मान के अभाव की स्वाभाविक प्रतिक्रिया थी। अपना व परिवार का पोषण करने वाले इन युवा गिग-वर्कर्स को अक्सर सरपट दौड़ती मोटरसाइकिलों पर, भारी थैलों के साथ ऊँची इमारतों की सीढ़ियाँ चढ़ते देखा जा सकता है। समय सीमा का दबाव इतना तीव्र होता है कि जरा-सी देरी पर आर्थिक दंड झेलना पड़ता है। दुर्घटना, बीमारी या तकनीकी गड़बड़ी-किसी भी स्थिति में उनकी आय पर सीधा असर पड़ता है। ग्राहकों का व्यवहार भी प्रायः असंवेदनशील होता है। देर होने पर झिड़कियाँ, सामान में कमी निकालकर अपमान, कभी-कभी हिंसक व्यवहार और रेंटिंग के जरिये भविष्य की कमाई पर प्रहार-यह सब इनके रोजमर्रा का हिस्सा है। इसके बावजूद औसतन 12-14 घंटे काम करने के बाद भी सात-आठ सौ रुपये की आय और वह भी बिना समुचित बीमा या सामाजिक सुरक्षा के एक गहरे शोषण की ओर इशारा करती है। गिग वर्कर्स वे लोग होते हैं जो पारंपरिक नौकरी के बजाय अस्थायी, लचीले और स्वतंत्र रूप से छोटे-छोटे काम (गिम्स) करते हैं, जो अक्सर ऑनलाइन प्लेटफॉर्म जैसे ऊबर, स्वीगी, जोमाटोच या अन्य ऐप्स के जरिए मिलते हैं और इन्हें प्रति कार्य या प्रोजेक्ट के हिसाब से भुगतान मिलता है, न कि नियमित वेतन। इन श्रमिकों के पास कोई स्थानीय रोजगार अनुबंध नहीं होता और वे खुद के बॉस की तरह काम करते हैं, लेकिन उन्हें सामाजिक सुरक्षा (जैसे स्वास्थ्य बीमा, पेंशन) जैसे लाभ नहीं मिलते। गिग वर्कर्स की चुनौतियाँ एवं मजबूरियाँ ज्यादा है, आय कम। आय की अनिश्चितता, सामाजिक सुरक्षा लाभों (जैसे बीमारी, दुर्घटना,



पेंशन) का अभाव, श्रम अधिक-भुगतान कम, कामकाजी घंटों और मजदूरी को लेकर अक्सर विवाद। गिग वर्कर्स गिग इकॉनमी का हिस्सा हैं, जहाँ वे अपनी मर्जी से छोटे-छोटे, अस्थायी काम करके पैसे कमाते हैं, जो पारंपरिक 9-से-5 की नौकरी से अलग होता है। गिग वर्कर का अर्थ है एक ऐसा व्यक्ति जो आमतौर पर सेवा क्षेत्र में एक स्वतंत्र ठेकेदार या फ्रीलांसर के रूप में अस्थायी काम करता है जो पारंपरिक नियोक्ता-कर्मचारी संबंधों के बाहर काम करता है या कार्य व्यवस्था में भाग लेता है और ऐसी गतिविधियों से कमाई करता है। निस्संदेह, गिग अर्थव्यवस्था ने रोजगार सृजन की अपनी क्षमता दिखाई है। आज भारत में गिग-वर्कर्स की संख्या सवा करोड़ से अधिक है और अनुमान है कि 2030 तक यह संख्या दो करोड़ पैंतीस लाख तक पहुँच सकती है। लेकिन यह भी उतना ही सच है कि बेरोजगारी के बढ़ते दौर में पढ़े-लिखे युवा इस व्यवस्था में 'विकल्प' के रूप में नहीं, बल्कि 'मजबूरी' में प्रवेश कर रहे हैं। जिस देश को युवाओं का देश कहा जाता है, वहाँ शिक्षित युवाओं का अस्थायी, असुरक्षित और सम्मानहीन श्रम-व्यवस्था में फैसला न केवल चिंताजनक, बल्कि शर्मनाक भी है। यह स्थिति बताती है कि हमारी विकास-नीतियाँ रोजगार की गुणवत्ता पर नहीं, केवल संख्या पर केन्द्रित हैं। गिग-वर्कर्स की सबसे बड़ी विडंबना यह है कि कंपनियाँ उनसे पूरा काम लेती हैं, लेकिन उन्हें पारंपरिक नियोक्ता-कर्मचारी संबंध के दायरे में स्वीकार नहीं

करतीं। उन्हें 'स्वतंत्र कामगार' कहकर नियुक्ति, स्थायित्व, बीमा और न्यूनतम वेतन जैसी जिम्मेदारियों से बचा जाता है। हायर एंड फायर की नीति, एल्गोरिदम आधारित नियंत्रण, रेटिंग सिस्टम और प्रोत्साहन के नाम पर लालच-ये सब मिलकर एक ऐसी अदृश्य जकड़न पैदा करते हैं, जिसमें श्रमिक स्वतंत्र दिखता है, लेकिन वास्तव में पूरी तरह नियंत्रित होता है। हड़ताल के दौरान भी अतिरिक्त प्रोत्साहन देकर या ऑर्डर बढ़ाकर श्रमिक एकता को कमजोर कर दिया जाता है। 31 दिसंबर को एक प्रमुख खाद्य वितरण कंपनी द्वारा रिकॉर्ड ऑर्डर दर्ज किया जाना इसी विडंबना को उजागर करता है। हाल के दिनों में संसद में गिग-वर्कर्स के शोषण का मुद्दा उठा है। सांसद राघव चड्ढा और मनोज कुमार झा जैसे नेताओं ने इस वर्ग की दयनीय स्थिति पर ध्यान दिलाया है। यह स्वागतयोग्य है, क्योंकि नीति-निर्माण की प्रक्रिया में जब तक इन श्रमिकों की आवाज शामिल नहीं होगी, तब तक सुधार अधूरे रहेंगे। भारत सरकार द्वारा हालिया श्रम सुधारों में पहली बार गिग और प्लेटफॉर्म वर्कर्स को कानूनी रूप से परिभाषित किया गया है। एगीगेटर कंपनियों के टर्नओवर का एक से दो प्रतिशत सामाजिक सुरक्षा कोष में योगदान, आधार से जुड़े सार्वभौमिक खाता नंबर जैसी व्यवस्थाएँ एक लंबे समय से प्रतीक्षित कदम हैं। गिग-वर्कर्स के जीवन में ठोस बदलाव ला पाएँगे? या फिर वे केवल कागजी सुधार बनकर रह जाएँगे? जब

तक न्यूनतम आय, कार्य-घंटों की सीमा, दुर्घटना बीमा, स्वास्थ्य सुरक्षा और शिकायत निवारण की प्रभावी व्यवस्था सुनिश्चित नहीं होती, तब तक इन सुधारों को परिवर्तनकारी नहीं कहा जा सकता। 31 दिसंबर की हड़ताल भले ही पूरी तरह सफल न रही हो, लेकिन वह नैतिक और सामाजिक रूप से पूरी तरह जायज थी। यह हड़ताल व्यवस्था को बाधित करने से अधिक, व्यवस्था के भीतर छिपे अन्याय, शोषण की वृत्ति एवं दोगलेपन को उजागर करने का प्रयास थी। गिग-वर्कर्स ने यह संदेश दिया कि वे केवल 'डिलीवरी बॉय' नहीं, बल्कि श्रमशील नागरिक हैं, जिनके अधिकारों की अनदेखी अब और नहीं की जा सकती। निश्चित ही डिजिटल अर्थव्यवस्था का भविष्य गिग-वर्कर्स के बिना संभव नहीं है। इसलिए यह जरूरी है कि नीति-निर्माता, कंपनियाँ और उपभोक्ता-तीनों अपनी भूमिका पर आत्ममंथन करें। कंपनियों को लाभ के साथ जिम्मेदारी भी स्वीकार करनी होगी, सरकार को कानूनों का सख्त क्रियान्वयन सुनिश्चित करना होगा और उपभोक्ताओं को सुविधा के साथ संवेदनशीलता भी अपनानी होगी। यदि हम गिग-वर्कर्स को केवल सुविधा का साधन मानते रहे और उन्हें सम्मान, सुरक्षा व स्थायित्व नहीं दिया, तो यह केवल श्रमिकों का नहीं, बल्कि हमारी विकास-कल्पना का भी संकट होगा। विकसित भारत, उन्नत भारत एवं समृद्ध भारत के नाम पर एक बदनुमा दाग होगा। डिजिटल भारत की असली परीक्षा यही है कि वह अपने सबसे तेज दौड़ने वाले श्रमिकों को कितना सुरक्षित और सम्मानित जीवन दे पाता है। तेजी से फैलती ऑनलाइन सेवाओं की दुनिया में गिग-वर्कर्स की कार्य-सेवाओं को अब अनौपचारिक नहीं, बल्कि नियोजित, मान्यताप्राप्त और सम्मानजनक श्रम के रूप में स्वीकार किया जाना चाहिए। उनकी मेहनत का उचित और सुनिश्चित भुगतान, सुरक्षित कार्य-परिस्थितियाँ और सामाजिक सुरक्षा कोई दाग नहीं, बल्कि उनका अधिकार है, जिसमें सरकार को निष्पक्ष हस्तक्षेप करना ही होगा। मुनाफे की अंधी दौड़ में लगी बड़ी कॉरपोरेट कंपनियों को यह समझना होगा कि श्रम केवल लागत नहीं, बल्कि व्यवस्था की आत्मा है; शोषण की मानसिकता छोड़कर संवेदनशीलता और जवाबदेही अपनाएँ बिना कोई भी डिजिटल विकास टिकाऊ नहीं हो सकता। यदि गिग-वर्क को गरिमा, सुरक्षा और स्थायित्व के साथ विकसित किया जाए, तो यही सैवाएँ मजबूरी का प्रतीक नहीं, बल्कि रोजगार की एक आदर्श और मानवीय व्यवस्था बन सकती हैं, जहाँ सुविधा केवल उपभोक्ता को नहीं, सम्मान कामगार को भी मिले।

संपादकीय

एक राष्ट्रपति अमरीकी बंधक

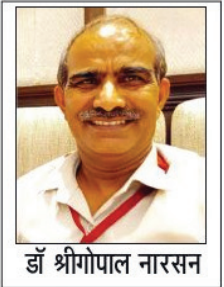
अमरीका का राष्ट्रपति कोई भी हो, वह किसी भी देश पर हमला करा सकता है, किसी भी संप्रभु एवं स्वतंत्र देश के राष्ट्रपति को अगवा करा अमरीकी जेल में डाल सकता है अथवा फाँसी पर लटका सकता है। अमरीकी राष्ट्रपति किसी भी देश के बेशकीमती संसाधनों, तेल एवं खनिज और सत्ता पर कब्जा कर सकता है। कोई भी देश, रूस और चीन भी, अमरीकी राष्ट्रपति को कोसते रहें अथवा चेतावनियाँ जारी करते रहें, लेकिन अमरीका ही दुनिया का सबसे हाथूँखार डॉनहड है। उसके सामने संयुक्त राष्ट्र आम सभा और सुरक्षा परिषद बिल्कुल नपुंसक और बेमानी हैं। अमरीकी राष्ट्रपति का आदेश ही हावैश्विक कानूनहड है। अमरीकी राष्ट्रपति को वहाँ की संसद (काँग्रेस) और अदालत की भी परवाह नहीं है। वह ही हावैश्विक साम्राज्यवादी शासकहड है। मौजूदा राष्ट्रपति ट्रंप ने वेनेजुएला पर गहरी रात में, करीब 2 बजे, चौराफा हमले करा और वहाँ के राष्ट्रपति मादुरो और उनकी पत्नी को उनके बेडरूम में ही बंधक बना कर साबित कर दिया है कि दुनिया अमरीका के मुताबिक ही चलेगी। अमरीकी सत्ता को कोई चुनौती नहीं दे सकता। राष्ट्रपति ट्रंप ने बार-बार दोहराया कि जो मादुरो के साथ हुआ है, वह किसी के भी साथ हो सकता है! लिहाजा डर, खौफ और खतरा भांपते हुए ईरान के सुप्रीम लीडर खामेनेई ने सेनाओं को अलर्ट कर दिया है और सीमाओं पर तैनाती के आदेश दिए हैं। क्या अगली बारी ईरान के सुप्रीम लीडर की है? बहरहाल राष्ट्रपति ट्रंप ने कथित तानाशाह मादुरो को हटाने और नार्कों आतंकवाद के अपराधों में दंडित करने के लिए ही वेनेजुएला के रक्षा मंत्री के आवास, हवाई अड्डे, एयरबेस, वायुसेना मुख्यालय, सैन्य रणनीतिक कार्यालय आदि पर बम-गर्षा के आदेश दिए हों, दरअसल ऐसा नहीं है।

अमरीका की नजरें वेनेजुएला के करीब 305 अरब बैरल तेल के भंडारों और 1.36 ट्रिलियन डॉलर से अधिक मूल्य के बेशकीमती खनिजों पर थी। दुनिया के 20-22 फीसदी से अधिक तेल के भंडार वेनेजुएला में हैं। मादुरो को बंधक बनाने के बाद राष्ट्रपति ट्रंप ने जो प्रेस कॉन्फ्रेंस की, उसमें उन्होंने साफ एलान कर दिया कि अब वेनेजुएला पर अमरीका का कब्जा है। जो ऑपरेशन किया गया, वह द्वितीय विश्व युद्ध के बाद सबसे बड़ा ऑपरेशन था। अब वेनेजुएला के तेल कारोबार को अमरीकी कंपनियाँ देखेंगी। अमरीका खूब पैसा कमाएगा। मादुरो के शासन में अमरीकी तेल की चोरी की गई। अब मादुरो और उनकी पत्नी पर अमरीका में ही मुकदमा चलाया जाएगा। हम मादुरो को कड़ी सजा दिलवाएँगे। अमरीका ने पनामा के तानाशाह राष्ट्रपति मैनुअल नोरिएगा, ग्रेनेडा के शासक, इराक के राष्ट्रपति सद्दाम हुसैन, लीबिया के तानाशाह मुअम्मर गदाफी आदि को गिरफ्त में लेकर जो बर्ताव किया था, संभवतः वही नियति मादुरो की लगती है। अमरीकी विशेष कमांडोज ने ही अलकायदा के सरगना लादेन और आईएसआईएस के खलीफा सरगना बगदादी को भी खत्म किया था। दरअसल अमरीका के सामने वेनेजुएला हथमेनना देशहड है, लिहाजा वह काय चुनौती देता! राष्ट्रपति मादुरो और उनकी पत्नी को हॉस्पिटलउसहड से ही अगवा किया गया, तब पूरी सुरक्षा व्यवस्था क्या कर रही थी? वेनेजुएला के लाखों सैनिक और मिलिशिया कहाँ थे? राष्ट्रपति ट्रंप ने यह भी कहा कि हमने वेनेजुएला की सैन्य-क्षमता को बिल्कुल शक्तिहीन कर दिया। बेशक यूरोपीय संघ के अधिकतर देशों, रूस, चीन, ईरान, क्यूबा, ब्रिटेन, मेक्सिको, ब्राजील, कोलंबिया आदि ने अमरीकी हमले की निंदा की है। उसे संयुक्त राष्ट्र चार्टर का उल्लंघन करार दिया है। इन बयानों से क्या होगा?

चिंतन-मनन

माँ है तो सबकुछ है

माँ एक गुरु के रूप में अपनी संतान को संस्कार देती है। माता जीवन का निर्माण करती है, तो पिता उसे उन्नति के शिखर तक ले जाता है। माँ है तो सबकुछ है और यदि माँ नहीं तो कुछ भी नहीं। जो अपनी माँ को प्रसन्न रखता है, वह उसके आशीर्वाद का वरदान भी पाता है। ऐसी परम उपकारी वात्सल्य भूर्ति माँ की आँखों में कभी आँसु नहीं आने देना। जो विनयपूर्वक परमात्मा और सद्गुरु के चरणों में समर्पित हो जाता है, वह सबकुछ पा जाता है। सद्गुरु हमें जान देते हैं। सद्गुरूपी नाविक के साथ धर्मरूपी नौका में बैठकर ईसान संसार सागर को पार कर लेता है। जो व्यक्ति धन-वैभव का अहंकार करता है, परंतु वह अंत में धराशायी हो जाता है। जिसके जीवन में विनय का गुण है, वह ज्ञान प्राप्त कर सकता है। माँ एक गुरु के रूप में अपनी संतान को संस्कार देती है। माता जीवन का निर्माण करती है, तो पिता उसे उन्नति के शिखर तक ले जाता है। माँ है तो सबकुछ है और यदि माँ नहीं तो कुछ भी नहीं।



डॉ श्रीगोपाल नारसन

प्रचीन ने अमेरिका से वेनेजुएला के राष्ट्रपति निकोलस मादुरो और उनकी पत्नी को तुरंत रिहा करने की मांग की है। दोनों इस समय अमेरिका की हिरासत में हैं। अमेरिकी सेना उन्हें वेनेजुएला की राजधानी काराकस से पकड़कर अमेरिका ले गई थी। चीनी विदेश मंत्रालय ने कहा कि किसी देश के राष्ट्रपति को इस तरह अपने देश ले जाना गलत है। इस मुद्दे का हल बातचीत से होना चाहिए। इससे पहले भी चीन ने अमेरिका की कार्रवाई पर कड़ी प्रतिक्रिया दी थी। वही उत्तर कोरिया ने भी वेनेजुएला में अमेरिका की कार्रवाई को गुंडागिरी बताया है। उत्तर कोरियाई विदेश मंत्रालय का कहना है कि अमेरिका की यह कार्रवाई किसी भी देश की आजादी और संप्रभुता पर किया गया सबसे गंभीर हमला है। आपको बता दें ,अमेरिकी सैनिकों ने 2 जनवरी की रात वेनेजुएला पर हमला कर राष्ट्रपति निकोलस मादुरो और उनकी पत्नी सीलिया फ्लोरेस को अगवा कर लिया था। इसके बाद उन्हें न्यूयॉर्क लाया गया है, जहां उन्हें डिटेंशन सेंटर में रखा गया और फिर अमानवीय जेल में बंद कर दिया



दिलीप कुमार पाटक

युद्ध अनाथों का विश्व दिवस प्रतिवर्ष 6 जनवरी को मनाया जाता है, जिसका एकमात्र उद्देश्य दुनिया भर के उन निर्दोष बच्चों की व्यथा को वैश्विक मंच पर लाना है, जिन्होंने युद्ध की आग में अपने माता-पिता और अपना घर खो दिया है। जब दो देशों या गुटों के बीच सशस्त्र संघर्ष होता है, तो उसकी सबसे भारी कीमत अक्सर बच्चे ही चुकाते हैं। यह दिवस हमें याद दिलाता है कि युद्ध केवल सीमाओं पर नहीं लड़ा जाता, बल्कि यह हजारों परिवारों को उजाड़ देता है और बच्चों को एक ऐसे अंधरे भविष्य की ओर धकेल देता है जहाँ न तो सिर पर साया होता है और न ही मन में सुरक्षा का भाव। युद्ध के कारण अनाथ हुए इन बच्चों को विस्थापन की कड़वी सच्चाई का सामना करना पड़ता है, जहाँ उन्हें अपने ही देश में शरणार्थी बनकर शिविरों में रहना पड़ता है। गरीबी और संसाधनों की कमी उनके जीवन का हिस्सा बन जाती है, जिससे उन्हें पर्याप्त भोजन, साफ पानी और बुनियादी स्वास्थ्य सेवाएँ भी नहीं मिल पातीं। शिक्षा, जो किसी भी बच्चे के विकास की नींव होती है, युद्ध प्रभावित क्षेत्रों में पूरी तरह ठप हो जाती है, जिससे इन बच्चों का भविष्य और भी असुरक्षित हो जाता है। युद्ध अनाथों के विश्व दिवस का प्राथमिक उद्देश्य उन मासूम बच्चों के अधिकारों के लिए पुरजोर तरीके से

गया। उन पर अमेरिका में हथियार-ड्रप्स से जुड़े मामलों में मुकदमा चलाया जाएगा। वेनेजुएला के रक्षा मंत्री व्लादिमीर पाद्रिनो लोपेज ने अमेरिका की कार्रवाई को लेकर कहा कि राष्ट्रपति ट्रम्प का राष्ट्रपति निकोलस मादुरो और उनकी पत्नी सिलिया फ्लोरेस को पकड़ने का फैसला सिर्फ वेनेजुएला के लिए नहीं बल्कि पूरी दुनिया की स्थिरता के लिए खतरा है। उन्होंने कहा कि यह कदम ग्लोबल ऑर्डर के लिए गंभीर चुनौती है। उनका कहना है कि अगर आज ऐसा वेनेजुएला के साथ किया गया है, तो कल किसी भी देश के साथ ऐसा हो सकता है। उन्होंने इसे खतरनाक मिसाल बताया। वेनेजुएला के रक्षा मंत्री ने अमेरिकी विदेश नीति की भी आलोचना की और कहा कि अमेरिका लैटिन अमेरिका और कैरिबियाई क्षेत्र में पुराने उपनिवेशवादी विचार थोपना चाहता है। वेनेजुएला इस सोच को पूरी तरह खारिज करता है। रूस के सुरक्षा परिषद के उपाध्यक्ष दिमित्री मेव्देव ने वेनेजुएला में अमेरिका की कार्रवाई पर कहा कि अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने जो कदम उठाए हैं, वे अंतरराष्ट्रीय कानून के खिलाफ हैं। अमेरिका, लैटिन अमेरिका को हमेशा से अपने प्रभाव वाला इलाका मानता रहा है। वेनेजुएला के मामले में भी अमेरिका की नजर वहां के तेल पर है। अमेरिका की सोच दूसरे देशों के संसाधनों पर कब्जा करने की रही है। वेनेजुएला के राष्ट्रपति निकोलस मादुरो को अमेरिका की सबसे बदनाम जेलों में से एक मेट्रोपॉलिटन डिटेंशन सेंटर में रखा गया है। इस जेल की हालत इतनी खराब मानी जाती रही है कि कुछ अमेरिकी जजों ने यहां कैदियों को भेजने से तक इनकार कर दिया था। यह जेल सन 1990 के दशक में

बनाई गई थी और यहां करीब 1,300 कैदी बंद हैं। आमतौर पर यह जेल उन लोगों के लिए इस्तेमाल होती है, जिनके खिलाफ न्यूयॉर्क की फेडरल अदालतों में मुकदमा चल रहा होता है। यहां गैंगस्टर और ड्रग तस्करो से लेकर सफेदपोश अपराधों के आरोपी तक रूढ़ जाते हैं। मादुरो इस जेल में बंद होने वाले पहले विदेशी राष्ट्रपति नहीं हैं। इससे पहले होंडुरास के पूर्व राष्ट्रपति जुआन ऑरलैंडो हर्नांडेज को भी इसी जेल में रखा गया था। उन पर अमेरिका में कोकीन की तस्करी का मामला चला था। बाद में उन्हें 45 साल की सजा सुनाई गई थी, लेकिन दिसंबर में राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने उन्हें माफी देकर रिहा कर दिया। इस जेल में मेक्सिको के कुख्यात सिनालोआ ड्रग कार्टेल के को फाउंडर इस्माइल एल मायो जाम्बाला भी बंद हैं। इसके अलावा एक कारोबारी की हत्या के आरोपी लुइजी मैर्नजियोने भी यहीं कैद हैं। कैदियों और उनके वकीलों ने लंबे समय से यहां हिंसा, बदसलूकी और अव्यवस्था की शिकायतें की हैं। साल 2024 में दो कैदियों की हत्या दूसरे कैदियों ने यहां कर दी थी। कुछ जेलकर्मियों पर रिश्तव लेने और जेल के अंदर गैरकानूनी सामान पहुंचाने के आरोप भी लगे हैं। सन 2019 की संदियों में यहां बिजली चली गई थी, जिससे यह जेल एक हफ्ते तक अंधेरे और ठंड में डूबी रही थी। ट्रंप ने वेनेजुएला के तेल पर कब्जा कर लिया है। ड्रप्स कारोबार की आड़ लेकर राष्ट्रपति मादुरो को बंधक बना लिया। उनकी पत्नी और मादुरो पर अमेरिका में मुकदमा चलेगा। अमेरिकी तेल व्यापारी अब वेनेजुएला की तमाम रिफाइनरी संभाल लेंगे। अमेरिका ने एक तरह से वेनेजुएला को गुलाम बना लिया है।

हरिद्वार के वरिष्ठ पत्रकार कौशल सिखौला की माने तो वेनेजुएला के तेल पर निगाह खरीदने वाले ट्रंप के वेनेजुएला आने का खामियाजा भारत को भी उठाना पड़ेगा जो वेनेजुएला से खासे पैमाने पर तेल खरीदता है। ट्रंप की इस कार्रवाई की रूस और चीन सहित दुनियाभर के अनेक देशों ने निंदा की है। लेकिन भारत ने अभी कोई प्रतिक्रिया नहीं दी है। ट्रंप की इस कार्रवाई का अंतरराष्ट्रीय प्रभाव पड़ेगा। उनकी माने तो ट्रम्प अब अपने ही अमेरिकी देश मेक्सिको को निशाना बनाने की तैयारी में है? उनके शब्दो मे,अमेरिका की जो मंशा है वह चीन की हुआ करती है। चीन तमाम पड़ोसियों को हड़पना चाहता है। नया साल लगते ही तेल के लिए अमेरिका ने धावा बोल दिया। यहां याद रखिए कि वेनेजुएला से कच्चे तेल और एल्युमिनियम का भारत बहुत बड़ा खरीदार है? तो क्या अमेरिका यहाँ भी भारत को चोट देना चाहता है? कहाँ तो ट्रंप पूरी दुनिया को शान्ति के शांति के शांति दे रहे थे और कहाँ पड़ोसियों को अशांत कर दिया , खुद भी अशांत हो गए। ट्रंप की मंशा खोमेनेई और किम जोंग को भी इसी तरह उठाने की है। कनाडा से भी ट्रंप खासे खफा हैं। समझ नहीं आता कि ट्रंप मानसिक रूप से ठीक हैं या पूरी तरह हिल गए हैं? इस घटना के बाद अमेरिकी राष्ट्रपति के तेवर अभी और तलख होने बाकी हैं। ऐसे में अंतरराष्ट्रीय स्तर पर मानवाधिकार उल्लंघन व हठार्थमर्मीता का यह मामला पूरी दुनिया देख रही है ,जिसे लेकर दुनिया के अन्य देशों को विरोध के स्वर बुलंद करने चाहिए। (लेखक ज्यलंत मुद्गें के जानकार वरिष्ठ पत्रकार है)

सरहदों की भेंट चढ़ता बचपन: जब जन्म देने वाली धरती ही पराई हो जाए



आवाज उठाना एवं उनके लिए संसाधनों को मुहैया कराने की जिम्मेदारी को उठाना जिनका जीवन युद्ध की विभीषिका ने पूरी तरह बदल दिया है। यह दिवस केवल एक अंतराचारिक आयोजन नहीं है, बल्कि सरकारों, अंतरराष्ट्रीय संस्थाओं, गैर-सरकारी संगठनों और आम नागरिकों के लिए एक सामूहिक आह्वान है कि वे आगे आएँ और इन बच्चों के जीवन में सकारात्मक बदलाव लाने के लिए ठोस कदम उठाएँ। इस दिन का सबसे बड़ा लक्ष्य दुनिया को यह समझाना है कि युद्ध में अनाथ हुए बच्चे केवल भोजन या कपड़ों के मोहताना नहीं हैं, बल्कि उन्हें कानूनी सुरक्षा, नागरिकता की पहचान और एक गरिमापूर्ण जीवन जीने का पूरा अधिकार है।

इस उद्देश्य की प्राप्ति के लिए 6 जनवरी को दुनिया भर में जागरूकता बढ़ाने वाले विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किए जाते हैं, जिनमें सेमिनार, शांति मार्च और डिजिटल अभियान प्रमुख हैं। इन पहलों के जरिए उन चुनौतियों को उजागर किया जाता है जिनका सामना ये बच्चे हर दिन करते हैं, जैसे कि शिक्षा से वंचित रहना, जबरन मजदूरी में धकेला जाना या युद्ध अपराधी समूहों द्वारा उनका शोषण किया जाना। आज जब हम आधुनिकता और मानवाधिकारों की बड़ी-बड़ी बातें करते हैं, तब युद्ध झेल रहे मुल्कों की बदतर होती स्थिति हमारे दावों की पोल् खोल देती है। मासूम बच्चे, जिनका राजनीति या सत्ता के संघर्ष से कोई लेना-देना नहीं होता, सबसे ज्यादा प्रताड़ित होते

हैं। वे या तो अपने ही देश में बने तंग राहत शिविरों में नारकीय जीवन जीने को मजबूर हैं, या फिर उन्हें शरणार्थी बनाकर उनके देश से निकाल दिया जाता है। यदि हम खुद को मानवीय मूल्यों के प्रति प्रतिबद्ध कहते हैं और फिर भी इन बच्चों की पीड़ा को नजरअंदाज करते हैं, तो मूल्यांकन करने पर हम मानवता के पैमाने पर बहुत पीछे खड़े नजर आएँगे। यह एक यक्ष प्रश्न है कि यदि कोई बच्चा युद्ध की आग के कारण अपना घर, अपना बचपन और अपना मुल्ल खो चुका है, तो क्या उसे केवल विदेशी या बौद्ध मानकर दर-दर भटकने के लिए छोड़ दिया जाना चाहिए? शरणार्थी संकट के दौरान अक्सर देशों की सीमाएँ इन मासूमों के लिए बंद कर दी जाती हैं, जो कि नैतिकता की हार है। हमें यह सोचना होगा कि यदि ईश्वर ने उसे इस दुनिया में जन्म दिया है, तो क्या इस विशाल धरती पर उसके लिए दो गज जमीन और सर ढकने के लिए एक छत का भी अधिकार नहीं है? क्या किसी बच्चे का अस्तित्व केवल उसके पासपोर्ट या नागरिकता के दस्तावेजों तक सीमित है? सच्चाई यह है कि धरती की कोई भी सीमा उस मानवीय अधिकार से बड़ी नहीं हो सकती, जो हर बच्चे को सुरक्षा और गरिमा प्रदान करती है। यदि हम ईश्वर की सत्ता में विश्वास रखते हैं, तो हमें यह स्वीकार करना होगा कि पूरी पृथ्वी ही ईश्वर का घर है और यहां हर एक लगेले वाला प्रत्येक जीव यहाँ रहने का जन्मसिद्ध अधिकार रखता है। मानवीय मूल्यों का दिखावा करने के बजाय अब समय है कि दुनिया वसुधैव कुटुंबकम पूरी पृथ्वी एक परिवार है के सिद्धांत को धरातल पर उतारे। किसी भी बच्चे को केवल इसलिये नकारा नहीं जाना चाहिए क्योंकि उसका मुल्ल युद्ध की भेंट चढ़ गया। उन्हें संरक्षण देना, उन्हें अपनाता और उनके जीवन को पुनः संवारना ही ईश्वर की सच्ची सेवा है, जिनका राजनीति या सत्ता के संघर्ष से कोई लेना-देना नहीं होता, सबसे ज्यादा प्रताड़ित होते



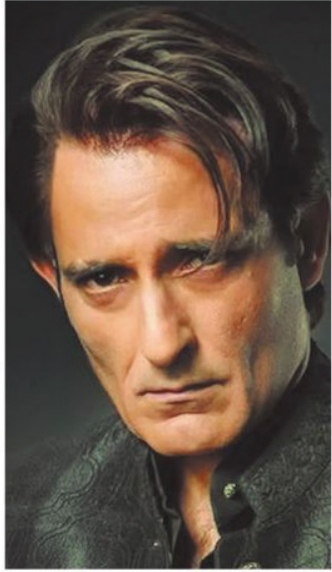
हनुमान के सीक्वल को लेकर अफवाहों पर तेजा सज्जा ने लगाया विराम

साउथ के एक्टर तेजा सज्जा फिल्म हनुमान के सीक्वल को लेकर चर्चा में हैं। हाल ही में, ऐसी खबरें चल रही थीं कि एक्टर तेजा सज्जा ने 2024 की हिट फिल्म हनुमान के सीक्वल से किनारा कर लिया है। जय हनुमान के बारे में कोई अपडेट न होने के कारण कई लोगों ने इसे सच मान लिया। हालांकि, तेजा सज्जा ने इस बात से इनकार किया है कि उन्होंने इस प्रोजेक्ट से किनारा किया है। सोशल मीडिया पर इस बात की चर्चा थी कि तेजा सज्जा हनुमान के सीक्वल का हिस्सा नहीं होंगे। खबरें यह भी थी कि उन्होंने इस फिल्म से किनारा कर लिया। दावा किया गया कि लिमिटेड स्क्रीन टाइम और क्रिएटिव मतभेदों का हवाला देते हुए, उन्होंने खुद को प्रशांत वर्मा सिनेमैटिक यूनिवर्स से अलग किया। हालांकि तेजा सज्जा ने इस तरह की खबरों को सिर से खारिज किया है। तेजा सज्जा ने बताया ये गलत खबरें हैं कि मैं जय हनुमान का हिस्सा नहीं हूँ। उन्होंने बताया है कि वह अपने आप को इस प्रोजेक्ट से अलग नहीं कर रहे हैं। अप्रैल 2024 में तेजा सज्जा ने बताया था कि यह फिल्म भगवान हनुमान पर आधारित होगी। उन्होंने जय हनुमान में अपने किरदार के बारे में बताते हुए कहा था मैं भी जय हनुमान का हिस्सा बनूंगा। फिल्म भगवान हनुमान पर आधारित होगी। उन्होंने दिसंबर 2024 में बताया था मैं सेट पर जाने का इंतजार कर रहा हूँ। मैं इसके लिए उत्साहित हूँ।



अपनी आगामी फिल्म 'महाकाली' की तैयारियों में लगे हैं अक्षय खन्ना

अभिनेता अक्षय खन्ना इन दिनों लगातार चर्चाओं में बने हुए हैं। एक ओर जहां 'धुरधुर' में उनके अभिनय की जमकर तारीफ हो रही है और उनका डॉस स्टेप वायरल है। वहीं दूसरी ओर 'दृश्यम 3' से बाहर होने के बाद मेकर्स ने उन पर गैर पेशेवर रवैयें के आरोप लगाए हैं और उन्हें कानूनी नोटिस भेजा है। इसको लेकर एक्टर पर कुछ और लोगों ने भी अब आरोप लगाए हैं। हालांकि, अक्षय की तरफ से इन पर कोई प्रतिक्रिया सामने नहीं आई है। इस बीच अब अक्षय अपनी आगामी फिल्म 'महाकाली' की तैयारियों में लगे हैं। अब फिल्म की शूटिंग की बीटीएस तस्वीरें भी सामने आई हैं। निर्देशक पूजा कोल्लूर ने साल 2025 का शूटिंग जताते हुए कुछ तस्वीरें साझा की हैं। इनमें हैदराबाद स्थित 'महाकाली' के सेट से भी कुछ तस्वीरें हैं। इनमें अक्षय खन्ना भी नजर आ रहे हैं। पूजा कोल्लूर ने जो तस्वीरें साझा की हैं, उनमें 'महाकाली' के सेट से अक्षय खन्ना के साथ एक सेल्फी भी शामिल है। 'महाकाली' से अक्षय खन्ना तेलुगु सिनेमा में अपना डेब्यू कर रहे हैं। 'महाकाली' प्रशांत वर्मा सिनेमैटिक यूनिवर्स की अगली कड़ी है। फिल्म में अक्षय खन्ना गुरु शुक्लाचार्य की भूमिका में नजर आएंगे।



खुद से छोटे एक्टर राजीव सिद्धार्थ को डेट कर रहीं हैं

नए साल का स्वागत हर कोई अपने-अपने तरीके से कर रहा है। अभिनेत्री कीर्ति कुल्हारी ने अपने नए साल का स्वागत बड़े ही खास अंदाज में किया है। एक्ट्रेस ने नए साल के मौके पर अपने रिलेशनशिप को रिवील किया है। उन्होंने अपने रिश्ते को आधिकारिक करते हुए अपने पार्टनर के साथ तस्वीरें भी साझा की हैं।

अभिनेता राजीव सिद्धार्थ के साथ रिश्ते में हैं कीर्ति

नए साल के मौके पर 1 जनवरी की देर रात कीर्ति कुल्हारी ने अपने फैंस को नए साल की शुभकामनाएं देते हुए अपने रिलेशनशिप को ओपन किया है। एक्ट्रेस ने अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर एक रील शेयर की है, जिसमें कई अलग-अलग फोटोज हैं। इन फोटोज में कीर्ति कुल्हारी अभिनेता राजीव सिद्धार्थ के साथ नजर आ रही हैं। इस रील में राजीव और कीर्ति की कई रोमांटिक तस्वीरें भी हैं। इस रील के साथ ही कीर्ति ने राजीव सिद्धार्थ के साथ अपने रिश्ते को आधिकारिक कर दिया है। कीर्ति ने अपनी पोस्ट के कैप्शन में लिखा, 'एक तस्वीर हजार शब्दों के बराबर होती है। सभी को 2026 मुबारक हो।'।



राजीव से 11 महीने बड़ी हैं कीर्ति

आजकल किसी भी रिलेशनशिप के सामने आते ही पार्टनर्स के बीच उम्र का फासला जानने के लिए भी फैंस उत्साहित रहते हैं। इसी तरह राजीव सिद्धार्थ और कीर्ति कुल्हारी के बीच के उम्र के फासले को लेकर भी फैंस उत्साहित हैं। साल 1985 को जन्मी कीर्ति कुल्हारी 40 साल की हैं। जबकि राजीव सिद्धार्थ कीर्ति से सिर्फ 11 महीने ही छोटे हैं। अप्रैल 1986 में जन्मे राजीव सिद्धार्थ अभी 39 साल के हैं। ऐसे में कीर्ति और राजीव के बीच उम्र का अधिक फासला नहीं है।

2016 में कीर्ति ने की थी साहिल सहगल से शादी

कीर्ति कुल्हारी ने इससे पहले अभिनेता साहिल सहगल से शादी की थी। दोनों ने साल 2016 में शादी की थी। लेकिन पांच साल तक शादी चलने के बाद साल 2021 में दोनों अलग हो गए थे।

फोर मोर शॉट्स प्लीज में नजर आई थीं कीर्ति

वर्कफूट की बात करें तो कीर्ति कुल्हारी आखिरी बार अपनी लोकप्रिय सीरीज 'फोर मोर शॉट्स प्लीज' के चौथे सीजन में नजर आई हैं। यह शो 19 दिसंबर को प्राइम वीडियो पर रिलीज स्ट्रीम हुआ था।

पहली बार अक्षय के साथ स्क्रीन साझा करेंगी रानी मुखर्जी



बॉलीवुड की चर्चित फैंचाइजी 'ओह माई गॉड' एक बार फिर बड़े स्तर पर वापसी करने की तैयारी में है। फैंचाइजी की नई फिल्म को लेकर दर्शकों के बीच पहले से ही उत्सुकता बनी हुई थी और अब इस प्रोजेक्ट से जुड़ी एक बड़ी जानकारी सामने आई है। रिपोर्ट्स के मुताबिक, इस बार अक्षय कुमार के साथ रानी मुखर्जी मुख्य भूमिका में नजर आ सकती हैं। अगर यह खबर पक्का होती है, तो यह दोनों कलाकारों की पहली ऑन-स्क्रीन जोड़ी होगी, जिसे लेकर फिल्म इंडस्ट्री में खासा उत्साह देखा जा रहा है।

इसी साल शुरू होगी शूटिंग
पिंकविला की रिपोर्ट के मुताबिक बताया जा रहा है कि ओह माई गॉड इस समय प्री-प्रोडक्शन स्टेज में है और फिल्म की शूटिंग 2026 के मई से शुरू होने की योजना है।

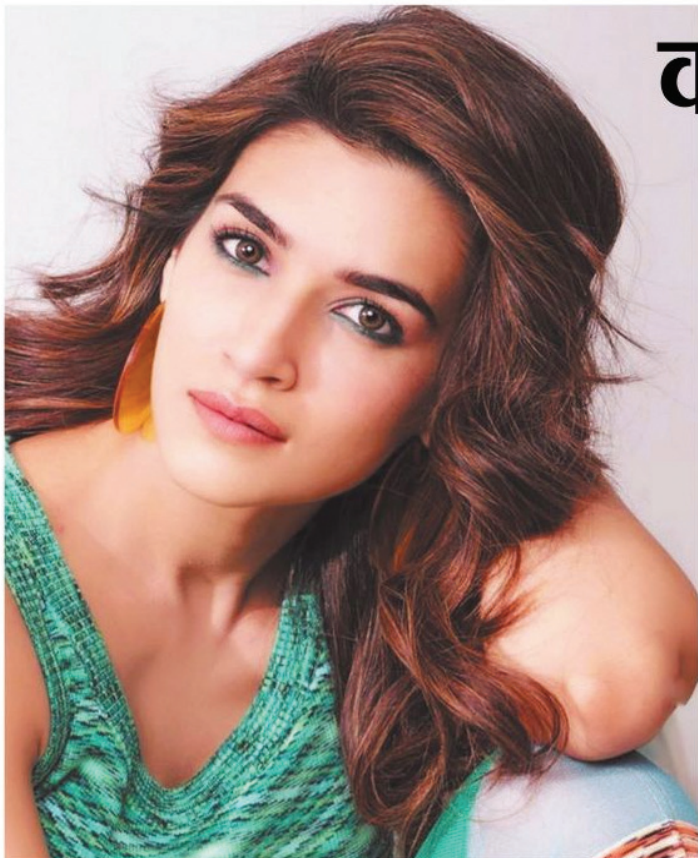
पहले और दूसरे भाग की तरह इस बार भी निर्देशन की कमान अमित राय संभाल रहे हैं, जिन्होंने पिछली फिल्म में सामाजिक मुद्दों को प्रभावशाली ढंग से पेश कर दर्शकों और समीक्षकों की सराहना बटोरी थी।



गौरव ने अपनी जर्नी पर भी की बात

टीवी की दुनिया में लंबा वक्त बिताने के बाद बिग बॉस जैसे रियलिटी शो में उतरना गौरव के लिए आसान फैसला नहीं था। उन्होंने पहले दिन से यह तय कर लिया था कि वह इस शो को किसी से मुकाबला करने की जगह आत्ममंथन और खुद को बेहतर इंसान बनाने का जरिया बनाएंगे। गौरव के मुताबिक, बिग बॉस का घर सिर्फ कैमरों और कंट्रोवर्सी का खेल नहीं है, बल्कि यह मानसिक मजबूती और समझदारी की असली परीक्षा भी होता है।

कृति सेनन ने 'कॉकटेल 2' को लेकर कही बात



कृति सेनन बॉलीवुड में अपने करियर के 11 साल पूरे कर चुकी हैं। इन 11 साल में कृति कई बड़ी फिल्मों का हिस्सा रही हैं। साथ ही उन्होंने कई हिट फिल्में भी दी हैं। उनकी आखिरी रिलीज फिल्म 'तेरे इश्क में' भी बॉक्स ऑफिस पर सफल रही थी। वहीं फिल्म में उनके अभिनय की भी काफी तारीफ हुई। अब कृति नए साल में अपनी आगामी फिल्म 'कॉकटेल 2' के साथ प्रवेश कर रही हैं। यह उनकी 20वीं फिल्म भी है। इस मौके पर कृति ने 'कॉकटेल 2' को लेकर बात की और साथ ही बताया कि क्या फिल्मों की सफलता उनके ऊपर दबाव डालती है या नहीं।

मैं किसी भी तरह का दबाव नहीं लेती

बातचीत के दौरान कृति ने बॉक्स ऑफिस नंबर के प्रेशर के बारे में बात की। एक फिल्म की सफलता क्या दूसरी फिल्म के बॉक्स ऑफिस नंबर के आंकड़ों को लेकर दबाव बनाती है? अभिनेत्री ने कहा कि वो अपने ऊपर किसी भी तरह का दबाव नहीं लेती हैं। उन्होंने कहा कि मैं

ऐसा दबाव नहीं लेती। हर फिल्म अलग होती है, आप यह उम्मीद नहीं कर सकते कि हर फिल्म एक ही तरह के दर्शकों को आकर्षित करेगी। आगे 'कॉकटेल 2' को लेकर एक्ट्रेस ने कहा कि 'कॉकटेल 2' के दर्शक 'तेरे इश्क में' से बिल्कुल अलग हैं। आप बस कड़ी मेहनत और पूरी ईमानदारी से काम कर सकते हैं। आपको हर फिल्म में अपना सर्वश्रेष्ठ देना होता है। इसके अलावा बाकी सब हमारे हाथ में नहीं है, क्योंकि बॉक्स ऑफिस पर फिल्म की सफलता को प्रभावित करने वाले कई और कारण भी होते हैं। इसलिए मैं वह दबाव नहीं लेना चाहती। मैं अपने फिल्म निर्माताओं पर भी वह दबाव नहीं डालती। बल्कि मैं बस इस प्रक्रिया का आनंद लेती हूँ। मैं उत्साहित हूँ।

इससे पहले एक इंटरव्यू में बात करते हुए कृति ने 'कॉकटेल 2' के बारे में बताया था कि 'कॉकटेल 2' बिल्कुल सही समय पर बनी। मुझे इसकी बहुत चाह थी। मैं एक रोमांटिक कॉमेडी की उस युवा, शहरी और मजेदार दुनिया में कदम रखना चाहती थी। बेशक यह एक सीक्रेल है, लेकिन मुझे लगता है कि यह सिर्फ एक अलग माहौल का सीक्रेल है।

कहानी पूरी तरह से अलग है, किरदार पूरी तरह से अलग हैं और उनकी पृष्ठभूमि भी पूरी तरह से अलग है। कृति आखिरी बार आनंद एल राय द्वारा निर्देशित 'तेरे इश्क में' में नजर आई थीं। इस फिल्म में उनके साथ धनुष प्रमुख भूमिका

शाहिद और रश्मिका के साथ नजर आएंगी कृति

होमी अदजानिया द्वारा निर्देशित 'कॉकटेल 2' में कृति सेनन के साथ शाहिद कपूर और रश्मिका मंदाना प्रमुख भूमिकाओं में नजर आएंगे। यह 2012 में आई 'कॉकटेल' की सीक्रेल है। इसमें सैफ अली खान, दीपिका पादुकोण और डायना पेटी प्रमुख भूमिकाओं में नजर आई थीं। इस फिल्म को पसंद किया गया था।





किचनचिमनीकीचिकनाईपलभरमेंगायब बिनाजालीनिकालेचमकाएंनईजैसी

खाना पकाने के दौरान निकलने वाली चिकनाई, तेल और धुएं की वजह से चिमनी के अंदर और फिल्टर के आसपास एक चिपचिपी और मोटी काली परत जम जाती है। इस कारण चिमनी गंदी हो जाती है। जिससे साफ करना काफी ज्यादा मेहनत भरा काम होता है।

अधिकतर लोग तेल और मसाले के धुएं से बचने के लिए किचन में चिमनी लगाते हैं। लेकिन अगर सप्ताह में या महीने में चिमनी की सफाई न की जाए, तो खाना पकाने के दौरान निकलने वाली चिकनाई, तेल और धुएं की वजह से चिमनी के अंदर और फिल्टर के आसपास एक चिपचिपी और मोटी काली

परत जम जाती है। इस कारण चिमनी गंदी हो जाती है। जब इस चिमनी को साफ करने की बात आती है, तो अक्सर चिमनी की जाली को निकालना और फिर इसको घंटों तक डिजॉईंट और गरम पानी में भिगोना पड़ता है, जोकि काफी ज्यादा मेहनत भरा काम होता है। ऐसे में अगर आपके घर में भी चिमनी लगी है और वह गंदी हो गई है। तो आपको परेशान होने की जरूरत नहीं है। क्योंकि आज इस

आर्टिकल के जरिए हम आपको असरदार और कमाल का क्लीनिंग हेक बताने जा रहे हैं। जिसकी सहायता से बिना जाली निकाले आप मिनटों में चिमनी को नए जैसा चमका सकती हैं।

जरूरी सामान



बेकिंग सोडा
सिरका
लिविवड डिश वॉश सोप
ऐसे बनाएं घोल
सबसे पहले एक सफेद स्प्रे बोतल लें।
अब इसमें बराबर मात्रा में बेकिंग सोडा, सफेद सिरका और लिविवड डिशवॉशिंग सोप डालें।
फिर करीब 1/4 कप गुनगुना पानी डालकर बोतल को

बंद करके अच्छे से हिलाएं, जिससे कि सभी चीजें मिक्स हो जाएं।

ऐसे करें इस्तेमाल

बता दें कि इस घोल का इस्तेमाल करने से पहले चिमनी की सतह पर अखबार या कपड़ा बिछाएं और गैस स्टोव के बर्नर को ढक दें। वहीं यह तरीका चिमनी के ठंडा होने पर अपनाएं। चिमनी के अंदरूनी हिस्से और जाली के बाहर की ओर जहां-जहां पर चिकनाई दिख रही है, वहां पर इस घोल को स्प्रे करें। इस घोल को करीब 15-20 मिनट तक के लिए ऐसे ही छोड़ दें। वहीं समय पूरा होने के बाद इसको साफ कपड़े से धीरे-धीरे पोछें। जब सारी गंदगी साफ हो जाए, तो माइक्रोवाइबर कपड़े से चिमनी को पोछें।



सर्दियों की सुबह को बनाएं लाजवाब : मूली-चावल की पूड़ी का अनोखा स्वाद

सर्दियों में हर एक घर में सबसे ज्यादा गरमा-गरम पूड़ियां और परांठे खूब खाए जाते हैं। इस मौसम में पूड़ी-कचौड़ी खाने का एक अलग ही मजा आता है। वैसे तो लोग गेहूं की पूड़ियां खाई जाती हैं, लेकिन क्या आप कभी मूली और चावल के आटे की पूड़ी ट्राई की है। यदि नहीं, तो इस बार आप घर पर ही मूली और चावल की पूड़ी बनाकर जरूर देखें। इसका स्वाद भी लाजवाब होता है और यह काफी कुरकुरी पोष्टिक लगती है। आइए आपको बताते हैं कैसे बनाएं मूली और चावल की पूड़ी को कैसे बनाएं।

आटे को गूंधने के बाद 5-10 मिनट के लिए ढककर रख दें।
- छोटी-छोटी लोइयां तोड़कर चकले पर थोड़ा सा तेल लगाकर हल्के हाथों से छोटी-छोटी पूड़ियां बेल लें।
- यदि पूड़ियां किनारे से फट रही हैं, तो आप किसी कटोरी की मदद से उन्हें गोल काट सकते हैं।
- तेल गर्म होने के बाद, इसमें पूड़ी डालकर लो फ्लेम पर दोनों तरफ से सुनहरा और कुरकुरा होने तक तल लें।
- इसके बाद गरमा-गरम मूली और चावल की पूड़ियों को हरी धनिया के साथ सर्व करें।
इन बातों का रखें ख्याल
- मूली कटुकस करने के बाद काफी पानी को छोड़ती है, इसलिए आटे में पानी डालने से पहले मूली और मसालों को अच्छी तरह मिला लें।
- आटा हमेशा हल्के गरम पानी से गूंधें।
- जब आप पूड़ियों को बेलें तो इसे गेहूं की पूड़ियों की तरह जोर बिल्कुल भी न लगाएं।
- जब आप पूड़ी को फ्राई करें, तो तेल अच्छी से गर्म होना चाहिए।

आयरन का पावरहाउस है काला चना

आजकल एनर्जी ड्रिक्स और सप्लीमेंट्स के दौर में हम एक ऐसे सुपरफूड को भूलते जा रहे हैं, जो हमारी दादी-नानी की रसोई में रोज की शान हुआ करते थे। काला चना करी इसी तरह की एक रेसिपी है, जिसमें आसान चीजों को धीरे-धीरे पकाया जाता है ताकि ठंडे महीनों में शरीर को पोषण मिल सके। काला चना सदियों से भारतीय रसोई में इस्तेमाल होता आ रहा है। दादी-नानी इस पर एक भरोसेमंद सामग्री के तौर पर निर्भर रहती थीं, जो आसानी से स्टोर हो जाता थी और ताकत देती थी खासकर सर्दियों में जब शरीर को लगातार एनर्जी की जरूरत होती थी।

यह लोग जरूर खाएं ये डिश

एनर्जी और ग्रोथ के लिए इसे बच्चों को जरूर दें। आयरन की कमी से बचाव के लिए महिलाएं इसे अपने डाइट में जरूर शामिल करें। कमजोरी और पाचन के लिए बुजुर्गों को भी इसे जरूर खाना चाहिए। ध्यान रखें कि अगर ज्यादा गैस की समस्या हो तो हींग और जीरा डालें। रात में भारी मात्रा में न खाएं और डाइजिटिव वाले पोर्शन कंट्रोल रखें। काले चने की करी सिर्फ एक सब्जी नहीं, बल्कि दादी-नानी की समझदारी से मिली सेहत की विरासत है। अगर आप नेचुरल तरीके से एनर्जी, आयरन और प्रोटीन बढ़ाना चाहते हैं, तो इस भूले-बिसरे सुपरफूड को अपनी थाली में जरूर शामिल करें।

आयरन का पावरहाउस है काला चना

काले चने में मौजूद आयरन शरीर में खून की कमी (एनीमिया) से बचाता है। कमजोरी और थकान दूर करता है। महिलाओं के लिए यह खासतौर पर फायदेमंद होता है। प्रोटीन से भरपूर काले चने की करी, मसल्स को मजबूत बनाती है। इसे खाने से लंबे समय तक पेट भरा रहता है। शाकाहारियों के लिए यह बेहतरीन प्रोटीन विकल्प है

एनर्जी बढ़ाने में कारगर

दादी-नानी का मानना है कि काला चना धीरे-धीरे ऊर्जा देता है, ब्लड शुगर को संतुलित रखता है और दिनभर एक्टिव बनाए रखता है। फाइबर से भरपूर होने के कारण यह कोलेस्ट्रॉल कंट्रोल करने में मदद करता है। यह दिल की सेहत के लिए भी बहुत अच्छा है।

काले चने की करी बनाने का आसान तरीका

- रात भर काले चने भिगो दें
- सुबह प्रेशर कुकर में उबाल लें
- प्याज, टमाटर, अदरक-लहसुन और देसी मसालों में पकाएं
- अंत में थोड़ा घी डालें — स्वाद और पोषण दोनों बढ़ाएं



नहीं खराब होगी कटी हुई सब्जियां

किचन में इन तरीकों से कर लें स्टोर



वर्किंग महिलाओं के लिए किचन और बाहर के काम संभालना थोड़ा मुश्किल हो जाता है। ऐसे में वह किचन के काम को आसान बनाने के लिए कुछ स्मार्ट हैक्स का इस्तेमाल करती हैं। सब्जियां बनाने के लिए महिलाएं पहले से ही काटकर रख लेती हैं लेकिन ज्यादा समय तक किचन में सब्जियां पड़ी रहने के कारण खराब होने लगती हैं। आपको बताते हैं कुछ ऐसे स्मार्ट ट्रिक्स जिनका इस्तेमाल करके आप सब्जियों को स्टोर कर सकते हैं। चलिए जानते हैं इनके बारे में...

कटे हुए आलू का इस तरह करें स्टोर

कटे हुए आलू यदि लंबे समय तक बाहर पड़े रहें तो उनका रंग काला पड़ने लगता है। ऐसे में आप कटे हुए आलू को ठंडे पानी में स्टोर कर लें। इससे वह खराब नहीं होंगे और न ही काले पड़ेंगे।

केले स्टोर करने का तरीका

केले भी बाहर पड़े रहने के कारण खराब होने लगते हैं ऐसे में आप केले के गुच्छे के सीरे को प्लास्टिक या फिर अल्यूमिनियम पेपर से रैप करके रख दें। इससे केले लंबे समय तक चलेगें और फ्रेश भी रहेंगे।

कटे हुए फल स्टोर करने का हैक्स

कटे हुए फलों का आप स्टोर करने के लिए उन पर नींबू का रस लगा लें। नींबू के अलावा आप फलों पर शहद भी लगा सकते हैं। शहद का पानी लगाने से भी फल जल्दी काले नहीं होंगे। साथ ही इस तरीके से फल लंबे समय तक फ्रेश भी रहेंगे।

ब्राउन शुगर रहेगी फ्रेश

ब्राउन शुगर को यदि आप लंबे समय तक फ्रेश रखना चाहते हैं तो इसे जिस भी कंटेनर में रख रहें इसमें एक सेब का टुकड़ा डाल दें। इससे वह जल्दी खराब नहीं होगी और लंबे समय तक फ्रेश भी रहेगी।

शावर कैप आएगी काम

खाना बनाने के बाद आप उन्हें हवा के कणों से बचाने के लिए आप शावर कैप का इस्तेमाल कर सकते हैं। यह बालों के अलावा खाने को भी साफ-सुथरा रखने में मदद करेगी। इस बात का ध्यान रखें कि शावर कैप एकदम फ्रेश हो।

हर्ब्स को हफ्तों तक ताजा रखने के आसान घरेलू तरीके

खाने के अगर फ्रेश हर्ब्स का इस्तेमाल किया जाए तो इससे टेस्ट पूरी तरह से बदल सकता है। करीपते से लेकर धनिया व पुदीना खाने के टेस्ट को नेक्स्ट लेवल पर ले जाते हैं। अमूमन हम मार्केट से इन हर्ब्स का एक बड़ा गुच्छा खरीदते हैं, लेकिन एक बार में इन्हें थोड़ा सा ही इस्तेमाल किया जाता है और फिर बाकी कुछ ही दिनों में फ्रिज में खराब हो जाता है। ऐसे में पैसे यूही वेस्ट हो जाते हैं। हम सभी के साथ अक्सर ऐसा होता है।

हालांकि, ऐसे में आपको परेशान होने की जरूरत नहीं है। आपको शायद पता ना हो, लेकिन अगर आप थोड़ा स्मार्ट तरीका अपनाते हैं तो ऐसे में इन हर्ब्स को महीनों तक भी आसानी से स्टोर किया जा सकता है। इससे आप उन्हें लंबे समय तक बिना किसी परेशानी के आसानी से इस्तेमाल कर पाएंगे। तो चलिए जानते हैं इसके बारे में-

ठीक से धोएं और सुखाएं

अगर आप हर्ब्स को स्टोर करना चाहते हैं तो पहले उन्हें अच्छी तरह धोकर सुखाएं। इसके लिए आप हर्ब्स को ठंडे पानी में धीरे से धोएं। फिर एक्स्ट्रा पानी झाड़कर उन्हें एक साफ तौलिए पर फैलाएं। अब इन हर्ब्स को पूरी तरह से सूखने दें। ध्यान रखें कि अगर इनमें नमी रह जाती है, तो हर्ब्स जल्दी खराब हो जाती हैं।

आजमाएं पेपर टॉवल रैप तरीका

अगर आप धनिया, पुदीना, अजमोद, डिल जैसी हर्ब्स को स्टोर करना चाहती हैं तो ऐसे में पेपर टॉवल रैप तरीके को आजमाएं। इसके लिए आप हर्ब्स को सूखे पेपर टॉवल पर रखें, फिर धीरे से रोल करें। अब इसे एयरटाइट बॉक्स में रखें। इस तरह हर्ब्स 1-2 हफ्ते तक खराब नहीं होती हैं। आप हर दिन कुछ मात्रा में इन हर्ब्स का इस्तेमाल कर सकते हैं।

करें फ्रीज

अगर आप हर्ब्स को महीनों तक स्टोर करना चाहते हैं तो ऐसे में उन्हें फ्रीज करना सबसे अच्छा रहता है। इसके लिए आप साबुत पत्तियों को धोकर सुखा लें। अब इन्हें जिप बैग में स्टोर करें और फ्रीज करें। इसके अलावा हर्ब्स से आइस क्यूब भी बनाए जा सकते हैं। इसके लिए आप हर्ब्स को काटें और आइस ट्रे में डालें। इसे पानी या जैतून के तेल से भरकर फ्रीज करें। सूप, दाल, ग्रेवी के लिए यह बहुत बढ़िया ऑप्शन है। इस तरह आपकी हर्ब्स 3-6 महीने तक आसानी से चल जाती हैं।



दुर्ग। भारत निर्वाचन आयोग, नई दिल्ली के निर्देशानुसार छत्तीसगढ़ राज्य में संपन्न कराये जा रहे निर्वाचन नामावलिओं के विशेष गहन पुरीक्षाण अर्हता तिथि 01 जनवरी 2026 के परिपेक्ष्य में 23 दिसम्बर 2025 को राज्य अंतर्गत मतदाता सूची का प्रारंभिक प्रकाशन किया जाकर, उक्त तिथि से दावा-आपत्ति प्रारंभ करने को कार्यवाही का यह है कि है, जोकि 22 जनवरी 2026 को अन्तिम तथिक को जावेगी। इस अवधि में प्रास दावा / आपत्ति का राज्य अंतर्गत जिलों से प्राप्त प्रकरण एवं राज्य के बाहर से प्राप्त प्रकरणों के सत्यापन/निराकरण हेतु आवश्यक कार्यावाही किये जाने हेतु राज्य स्तर पर श्री जयशंकर उरांव, उप मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी छ.ग. मोबाईल नंबर-98271-16428 को नोडल अधिकारी नियुक्त किया गया है। इसी कड़ी में कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी श्री अभिजीत सिंह ने जिले के अंतर्गत विधानसभाओं से प्राप्त प्रकरण एवं जिले के बाहर से प्राप्त प्रकरणों के सत्यापन/निराकरण हेतु आवश्यक कार्यवाही किये जाने हेतु जिला स्तर पर अपर कलेक्टर एवं उप जिला निर्वाचन अधिकारी श्री वीरेन्द्र सिंह को नोडल अधिकारी नियुक्त किया है। श्री सिंह का मोबाईल नंबर 94259-21910 है। इसी प्रकार समाज कल्याण विभाग के उपसंचालक श्री ए.पी. गौतम मोबाईल नंबर 81097-0870 और ई-डिस्ट्रिक्ट मैनेजर श्रीमती शरुति अग्रवाल मोबाईल नंबर 94255-74461 को सहायक नोडल अधिकारी नियुक्त किया है। जिला निर्वाचन अधिकारी का यह आदेश तत्काल प्रभावशील हो गया है।

दुर्गा ग्रामीण विधायक ललित ने कहा कि समाज के पास अब खुद का भवन हो गया है। यह सब बड़े आवश्यक था। अब सतनामा समाज अजोड़ नहीं छोटे व बड़े आयोजन इस जगह पर कर सकते हैं। लोकार्पण समारोह में पहुंचे विधायक का सम्मान सतनामा समाज के सदस्यों ने शाल भेंड़ कर किया। इस अवसर पर अतिथि के रूप में मंडल अध्यक्ष अनुपम साहू, राजू जंघेल, विधायक प्रतिनिधि गोविंद साहू, दशरथ साहू, राकेश त्रिपाठी, विष्णु शर्मा, प्रेम साहू आदि उपस्थित थे। समाज की ओर से प्रेम साहू ने दुर्गा ग्रामीण विधायक को मांग पत्र सौंपा।

भिलाईनगर। नगर पालिक निगम भिलाई वार्ड क्रमांक 33 संतोषी पारा के एस.एल.आर.एम. सेंटर में स्कूली बच्चों का एक दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम रखा गया।

बच्चों को स्वच्छता का संदेश देते हुए बताया गया कि सूखा कचरा नीला एवं गीला कचरा हरा डस्टबिन में अलग-अलग रखा जाना चाहिए। निगम का सफ़ाई मित्र घोषित से निकले कचरे को एकत्र कर एस.एल.आर.एम. सेंटर तक पहुंचाने का काम करते हैं। यह भी बताया गया कि स्वच्छता दीदीयां किस प्रकार कचरे से पॉलीथिन, प्लास्टिक, धातु और अन्य सामग्रियों को अलग करते हैं गीला कचरे को मशीन में डालकर खाद बनाने तक की प्रक्रिया को समझाया गया। वही खाद बागवानी में भी उपयोग में लाया जाता है। बच्चों को सिंगल यूज प्लास्टिक का उपयोग नहीं करने के साथ अपने घरों एवं आस-पास सफ़ाई रखने शपथ दिलाया गया। प्रशिक्षण के दौरान स्वच्छता निरीक्षक चूड़ामणि यादव सहित स्कूल के शिक्षिकाएं उपस्थित रहे।

पाटन ग्राम जमावाँ एम स्थित रिलायंस इंडस्ट्रीज के बायोसिस प्लांट द्वारा किसानों से पैरा मुफ्त में उठाए जाने का मामला सामने आया है। इसे लेकर स्थानीय किसानों में भारी आक्रोश व्याप्त है। किसानों का आरोप है कि रिलायंस इंडस्ट्रीज किसानों से बिना भुगतान के पैरा लेकर उसका उपयोग गैस निर्माण में कर रही है और मुनाफा कमा रही है, जो किसानों के साथ सीधा अन्याय है। इस संबंध में पूर्व अध्यक्ष भाजपा उतर मंडल पाटन लोकमणि चंद्रकार ने नेतृत्व में किसानों ने अनुविभागीय अधिकारी (एसडीएम) पाटन को ज्ञापन भेजा। ज्ञापन में बताया गया कि किसान कटौत मेहनत से धान की फसल उगाता है और धान कटाई के बाद पैरा का उपयोग पशुओं के चारे के रूप में किया जाता है। बायोसिस प्लांट की स्थापना के बाद किसानों को उम्मीद थी कि पैरा का भी उचित मूल्य मिलेगा, लेकिन कंपनी द्वारा पैरा मुफ्त में उठाया गया किसानों के साथ थोखा है। किसानों ने मांग की है कि पैरा का उचित मूल्य एक सप्ताह के भीतर निर्धारित किया जाए। चेतावनी दी गई है कि यदि तब समय सीमा में किसानों को न्याय नहीं मिला तो आठवें दिन बायोगैस प्लांट में तालाबंदी की जाएगी। किसानों ने स्पष्ट कहा कि किसी भी कीमत पर उनका शोषण बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। ज्ञापन सौंपने के दौरान बड़ी संख्या में किसान मौजूद रहे।

हैं। कर्मा भवन मार्ग वार्ड क्रं. 27 मोहल्ले में स्थानीय नागरिक द्वारा सड़क का पानी घर आये इसलिए सड़क बाधा कर घेरा कर गया है, जिसे हटाने कहा गया है।

आटो मे घूम घूम कर ताला बंद सूने मकानो का करते थे रेकी रात्रि में जाकर करते थे चोरी

पुलिस अधीक्षक बालोद योगेश कुमार पटेल के निर्देशन में बालोद पुलिस को मिली बड़ी सफलता

बालोद। ग्राम ओटेबंद थाना गुण्डरदेही प्रार्थी के मकान मे रात्रि को अज्ञात चोर द्वारा प्रार्थी के घर के बाहर लगे बंद ताला को तोड़कर मकान में प्रवेश कर घर में रखे आलमारी से सोने-चांदी के जेवरात सहित नगदी रकम चोरी कर ले गया है कि सूचना पर पुलिस के द्वारा घटना स्थल पहुंचकर घटना का निरीक्षण कर वरिष्ठ अधिकारियों को अवगत कराकर उक्त चोरी के अज्ञात आरोपी के पतासाजी हेतु थाना गुण्डरदेही व साइबर सेल से विशेष टीम बनाकर लगाया गया। साथ ही घटना स्थल में ड्राग स्काइ को बुलाया गया। प्रार्थी की रिपोर्ट पर थाना गुण्डरदेही में अपराध क्रमांक 358/2025 धारा 331(4), 305(ए) बीएनएस पंजीबद्ध कर विवेचना में लिया गया है। मामले की गंभीरता को देखते हुए पुलिस अधीक्षक बालोद श्री योगेश कुमार पटेल (भा0पुस0क0) के मार्गदर्शन एवं अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक श्रीमती मोनिका



ठाकुर निर्देशन में व एसडीओपी गुण्डरदेही श्री राजेश बागड़े के पर्यवेक्षण में थाना प्रभारी गुण्डरदेही नवीन बोरकर के नेतृत्व में चोरी के प्रकरण में आरोपियों के पतासाजी हेतु सायबर सेल बालोद व थाना गुण्डरदेही से विशेष टीम गठित कर अज्ञात आरोपियों के संबंध में पतासाजी हेतु लगाया गया था। टीम द्वारा त्रिनयन एप के माध्यम से सीसीटीवी कैमरा फुटेज को प्राप्त कर टीम द्वारा बारीकी से एनालिसिस करने पर संदिग्ध आटो में कुछ व्यक्ति दिखे जो घटना दिनांक समय पर मौजूद थे। की जानकारी प्राप्त हुई जिसे टीम द्वारा चिन्हार्कित किया गया सीसीटीवी फुटेज को प्राप्त करते हुए टीम गुण्डरदेही, ओटेबंद, अण्डा, दुर्ग ,भिलाई लगे सैकड़ो सीसीटीवी कैमरों का फुटेज को प्राप्त कर एनालिसिस

किया गया साथ ही तकनीकी टीम द्वारा तकनीकी साक्ष्य के आधार पर कार्य किया गया। टीम द्वारा रात दिन भिलाई के आसपास कैम्प कर संदिग्ध आटो की पहचान करने का प्रयास किया गया जिसमें आटो का नम्बर प्लेट फर्जी होना पाया गया। अंधेरा के कारण सभी का चेहरा स्पष्ट नहीं हो पा रहा था। टीम द्वारा कड़ी मेहनत कर प्रकरण के 03 आरोपियों को चिन्हार्कित कर उसे भिलाई से विधिवत गिरफ्तार कर आज दिनांक 05.01.2025 को न्यायिक रिमांड पर भेजा गया। आरोपी अब्दुल थाना जामुल क्षेत्र का निगामी बदमाश है जिसके खिलाफ माननीय न्यायालय द्वारा वारंट जारी होने से अपने मूल निवास स्थान को बदलकर छिप कर फ्रीद नगर सुपेला मे रह रहा था ।जो साजा जिला बेमेतरा से आटो चोरी

कर उसी आटो मे 04 आरोपी दिन में बालोद क्षेत्र मे रेकी करते थे सूने मकान को टारगेट कर रात्रि में चोरी करते थे आरोपियों द्वारा अन्य जिलो मे चोरी करना बताया गया है।

बिक्री के लिए गांजा परिवहन करते दो आरोपी पकड़ाये

रायपुर। जिले की खरोरा थाना पुलिस ने बिक्री हेतु अवैध रूप से मादक पदार्थ गांजा परिवहन करने वाले आरोपियों को गिरफ्तार किया है तथा उसके पास से 4.256 किलोग्राम बरामद किया है। आरोपी उडिसा से गांजा लेकर आ रहे थे।मिली जानकारी के अनुसार पुलिस को सूचना मिली थी कि राकेश सिंह ठाकुर पिता स्व. विष्णु सिंह ठाकुर निवासी ग्राम तुलसी डहरिया द्वारा उड़ीसा के गांजा तस्कर के साथ अपने मोटर सायकल जुपीटर नीला रंग बिना नंबर में कोसरगी रोड से धिवरा पुलिसा तरफआने को सूचना पर थाना खरोरा पुलिस पार्टी मुखबिर के बताये स्थान पथ ग्राम धिवरा नहर पुलिसा के पास पहुंचा जहां मुखबीर द्वारा बताये गये वाहन व दो व्यक्ति का आने का इंजतार किया, कुछ देर में मुखबीर द्वारा बताये वाहन में दो व्यक्ति आते हुए दिखे जिसे सावधानी पूर्वक गवाही के समक्ष रोकवाया गया। वाहन चलाने वाले का नाम पता पूछने पर अपना नाम पता राकेश सिंह ठाकुर पिता स्व. विष्णु सिंह ठाकुर उम्र 38 साल साकिन तुलसी डहरिया थाना खरोरा जिला रायपुर तथा पीछे बैठा व्यक्ति अपना नाम पता पिन्टू सतनामी पिता शिदास उर्फसाहेबदास सतनामी उम्र 21 साल साकिन भलेसर भूतकायरा थाना बेलटुकरी जिला नुवापाड़ा उड़ीसा बताया संदेही राकेश सिंह ठाकुर के वाहन मोटर सायकल जुपीटर बिना नंबर की डिक्की में एक सफेद रंग के प्लास्टिक झोला के अंदर एक पैकेट खाकी रंग के टेप से लिपटा हुआ मादक पदार्थ गांजा तथा संदेही पिन्टू सतनामी के हाथ में रखे एक सफेद रंग के प्लास्टिक झोला के अंदर एक पैकेट खांकी रंग के टेप से लिपटा हुआ मादक पदार्थ गांजा प्राप्त हुआ जिसे गवाही के समक्ष बरामद की गयी। संदेही को बरामद गांजा के संबंध में कागजात पेश करने नोटिस दिया गया जो कोई कागजात पेश नहीं करने पर एक सफेद रंग के प्लास्टिक झोला के अंदर एक पैकेट खाकी रंग के टेप से लिपटा हुआ मादक पदार्थ गांजा सहित 2.163 किलोग्राम वजन, झोला का वजन 36 ग्राम, मादक पदार्थ गांजा पैकेट सहित 2.127 किलोग्राम गांजा तथा संदेही पिन्टू सतनामी से बरामद किये गये एक सफेद रंग के प्लास्टिक झोला के अंदर एक पैकेट खांकी रंग के टेप से लिपटा हुआ मादक पदार्थ गांजा सहित 2.167 किलोग्राम वजन, झोला का वजन 38 ग्राम, मादक पदार्थ गांजा पैकेट सहित 2.129 किलोग्राम गांजा होना पाया गया।

कोरबा में पड़ोसी ने की युवक की बेरहमी से हत्या, डॉंग स्कायड की मदद से आरोपी गिरफ्तार

कोरबा। जिले के करतला थाना क्षेत्र अंतर्गत ग्राम गनियाारी में रविवार रात एक सनसनीखेज हत्या की वारदात सामने आई है। यहां एक व्यक्ति की पीट-पीटकर हत्या कर दी गई। मृतक की पहचान गांव निवासी नंदकुमार पटेल (लगभग 45 वर्ष) के रूप में हुई है। सोमवार सुबह उनका रक्तर्जित शव पड़ोसी के घर की बाड़ी से लगे आंगन में मिलने से क्षेत्र में हड़कंप मच गया।

घटना की सूचना मिलते ही करतला पुलिस मौके पर पहुंची और वरिष्ठ अधिकारियों को अवगत कराया गया। मामले की गंभीरता को देखते हुए डॉंग स्कायड, फेरेंसिक टीम और कोरबा साइबर सेल को जांच में लगाया गया। डॉंग स्कायड के थान ‘बाया’ ने सेंट ट्रैक करते हुए सीधे आरोपी के घर कर पहुंचकर पुलिस को अहम सुराग उपलब्ध कराया। जांच में खुलासा हुआ कि हत्या का आरोपी मृतक का पड़ोसी जयशंकर है।

नाबालिग से दुष्कर्म मामले में बड़ा फैसला, दोनों दोषियों को 20-20 साल की सजा

बलौदाबाजार। नाबालिग से दुष्कर्म मामले में अदालत ने कड़ा रुख अपनाते हुए दोनों दोषियों को कठोर सजा सुनाई है। भाटापारा ग्रामीण थाना क्षेत्र से जुड़े इस गंभीर प्रकरण में अपर सत्र न्यायाधीश ने अपहरण कर नाबालिग के साथ बार-बार दुष्कर्म करने वाले आरोपी और उसके सहयोगी को 20-20 वर्ष के कठोर कारावास एवं अर्थदंड से दंडित किया है। आरोपी यह फैसला समाज में ऐसे अपराधों के खिलाफसख्त संदेश देता है।

गुमशुदगी से शुरू हुआ मामला

विशेष लोक अभियोजक संजय बाजपेयी ने बताया कि पीड़िता के पिता ने 11 अगस्त 2024 को थाना भाटापारा ग्रामीण में रिपोर्ट दर्ज कराया। पी-उन्होंने बताया कि उनकी नाबालिग बेटी 10 अगस्त को सुबह स्कूल जाने की बात कहकर घर से निकली थी, लेकिन वापस

नहीं लौटी। परिजनों द्वारा हर जगह तलाश के बावजूद जब कोई जानकारी नहीं मिली, तो पुलिस ने गुम ईसान दर्ज कर अपहरण की आशंका में जांच शुरू की।

जांच में हुआ बड़ा खुलासा

विवेचना अधिकारी सहायक उप निरीक्षक पुष्पा राठौर ने जांच के दौरान 2 सितंबर 2024 को पीड़िता को आरोपी दुष्यंत टंडन के कब्जे से सह-आरोपी कुलदीप मनहरे के ग्राम नयापारा स्थित मकान से बरामद किया। पूछताछ में पीड़िता ने बताया कि आरोपी ने शादी का झंसा देकर उसे बहला-पुसलाकर भगाया और दोस्त के मकान में रखकर उसके साथ शारीरिक संबंध बनाए। संपूर्ण विवेचना, चिकित्सकीय परीक्षण और गवाहों के बयान के बाद चालान न्यायालय में पेश किया गया। सुनवाई के दौरान अभियोजन ने कठोर दंड की मांग की।

भिलाई। से एक बड़ी कार्रवाई सामने आई है, जहां दुर्ग पुलिस ने म्यूल अकाउंट गैंग का पर्दाफ़ाश करते हुए एक संगठित गिरोह के मुख्य आरोपी सहित कुल पांच आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से भारी मात्रा में बैंकिंग और डिजिटल साक्ष्य बरामद किए हैं, जिनमें 78 एटीएम और क्रेडिट कार्ड, 21 चेकबुक, 18 पासबुक और 16 अलग-अलग कंपनियों के निम्न कार्ड शामिल हैं। सभी आरोपियों के न्यायिक रिमांड पर जेल भेज दिया गया है।

अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक (शहर) सुखनंदन राठौर ने बताया कि 30 दिसंबर को थाना पद्मनाभपुर में मोबाइल दुकानदार शिवाजी दुबे ने शिकायत दर्ज कराई थी। शिकायत के अनुसार, उसकी दुकान में मोबाइल रिपैरिंग का काम करने वाले



अमित मिश्रा के जरिए उसकी पहचान बोरसी दुर्ग निवासी लोकेश जाधव उर्फलक्की (35) से हुई थी। लोकेश ने अपने भाई के बाहर से पैसे आने की बात कहकर बैंक खाता न होने

का बहाना बनाया और 20 हजार रुपये का लालच देकर प्रार्थी से बैंक खाता उपलब्ध कराने को कहा। लालच में आकर प्रार्थी ने अपना एक्सिस बैंक महाराजा चौक ब्रांच

शिक्षा विभाग का बड़ा खेल उजागर...फर्जी लेटर पर ‘साहब’ बनकर घूम रहे थे 4 कर्मचारी, एक झटके में हुए बर्खास्त

खैरागढ़। छत्तीसगढ़ के खैरागढ़ जिले के शिक्षा विभाग में सामने आया फर्जी नियुक्तियों का मामला अब बड़े प्रशासनिक घोटाले की शकल ले चुका है. जांच में यह साफहो गया है कि कूटरचित नियुक्ति आदेशों के सहारे कम से कम 9 लोक शासकीय सेवा में घुसे, वर्षों तक नियमित वेतन उठाया और सिस्टम को भनक तक नहीं लगी. मामले के सामने आते ही शिक्षा विभाग में हड़कंप मच गया है.

एक फर्जी नियुक्ति से खुला पूरा नेटवर्क

जांच की शुरुआत सहायक ग्रेड 3 के पद पर कार्यरत टीकम चंद

साहू से हुई. दस्तावेजों में उनकी नियुक्ति राज्य शिक्षा आयोग रायपुर के नाम से दर्शाई गई थी, लेकिन जैसे ही इसका आधिकारिक सत्यापन कराया गया, पूरी कहानी ही पलट गई. सत्यापन में सामने आया कि जिस आदेश के आधार पर नौकरी की जा रही थी, वह कभी जारी ही नहीं हुआ था. वहीं सरकारी रिकॉर्ड ने पोल खोल दी. राज्य स्तर से प्राप्त जवाब में स्पष्ट किया गया कि आदेश क्रमांक 34 दिनांक 09.09.2021 नियुक्ति से संबंधित नहीं है.

नियुक्ति पत्र पर किए गए हस्ताक्षर मूल अभिलेखों से मेल नहीं खाते. प्रस्तुत किया गया आदेश पूर्णतः फर्जी और कूटरचित

है. इस खुलासे के बाद मामले को गंभीर अनियमितता मानते हुए उच्च स्तर पर रिपोर्ट भेज दी गई.

फर्जी नियुक्ति के बाद भी पदस्थापना और ट्रांसफर

सबसे चौंकाने वाला पहलू यह रहा कि नियुक्ति फर्जी होने के बावजूद मंत्रालय स्तर से पदस्थापना आदेश जारी हो गए. इन आदेशों के तहत पदस्थापना इस प्रकार हुई. टीकम चंद साहू को शासकीय हाई स्कूल मोहागांव, फोनंद सिन्हा को शासकीय हायर सेकेंडरी स्कूल बकरकट्टा, रंजिया अहमद को शासकीय हायर सेकेंडरी स्कूल पैलीमेटा, अजर अहमद को बीईओ कार्यालय

छुईखदान और सी.एच. एन्थोनी अम्मा की शासकीय हायर सेकेंडरी स्कूल ठाकुरटोला में पदस्थ कर दिया गया. हैरानी की बात यह भी सामने आई कि एक कर्मचारी ने कभी जॉइनिंग ही नहीं दी, फिर भी उसका नाम वर्षों तक शासकीय रिकॉर्ड में दर्ज रहा. अब कार्रवाई के घेरे में कई चेहरे आ गए हैं. मामले की गंभीरता को देखते हुए प्रशासन ने फर्जी नियुक्तियों से जुड़े कर्मचारियों के सेवा अभिलेख खंगालने, वेतन भुगतान की रिकवरी पर विचार करने, फइलें आगे बढ़ाने वाले अधिकारियों और कर्मचारियों की जवाबदेही तय करने की प्रक्रिया शुरू कर दी है.

नहीं लौटी। परिजनों द्वारा हर जगह तलाश के बावजूद जब कोई जानकारी नहीं मिली, तो पुलिस ने गुम ईसान दर्ज कर अपहरण की आशंका में जांच शुरू की।

आबकारी एक्ट के तहत कोरबा पुलिस की बड़ी कार्रवाई, एक दिन में 44 प्रकरण दर्ज

कोरबा। आबकारी अधिनियम के तहत अवैध शराब के खिलाफ कोरबा पुलिस ने बड़ी और प्रभावी कार्रवाई की है। एक ही दिन में जिलेभर में सघन अभियान चलाते हुए पुलिस ने 44 प्रकरण दर्ज कर 653.3 लीटर अवैध देशी महुआ शराब जब्त की है। इस कार्रवाई में कुल 43 आरोपियों के खिलाफदंडात्मक कार्रवाई की गई है।यह अभियान पुलिस अधीक्षक कोरबा सिद्धार्थ तिवारी के निर्देश एवं अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक नीतिश ठाकुर के मार्गदर्शन में जिले के समस्त थाना एवं चौकी प्रभारियों तथा पुलिस स्टाफ द्वारा चलाया गया।

दिनांक 04 जनवरी 2026 को विशेष अभियान के तहत अवैध शराब के निर्माण, परिवहन और विक्रय में लिप्त लोगों के खिलाफएक साथ कार्रवाई की गई। पुलिस के अनुसार, जिले के विभिन्न थाना क्षेत्रों में दबिश देकर अवैध रूप से तैयार और संग्रहित महुआ शराब को जब्त किया गया। कार्रवाई के दौरान कुल 653.3 लीटर देशी महुआ शराब बरामद की गई, जिसे आबकारी अधिनियम के प्रावधानों के तहत जब्त किया गया है। कोरबा पुलिस ने स्पष्ट किया है कि अवैध शराब के कारोबार के खिलाफयह अभियान आगे भी लगातार जारी रहेगा।

एमसीबी में एसईसीएल कर्मचारी की आत्महत्या, पुराने केस से था मानसिक तनाव

एमसीबी। जिले के झगराखांड थाना क्षेत्र से एक बेहद दुखद घटना सामने आई है, जहां एसईसीएल के फ़िल्टर प्लांट में कार्यरत एक कर्मचारी ने आत्महत्या कर ली। पंप ऑपरेटर पद पर पदस्थ 35 वर्षीय दिलीप सिंह ने दोरहर करीब 2 बजे पुराने हाजरी घर के अंदर फांसी लगाकर अपनी जान दे दी। इस घटना से न केवल एसईसीएल कर्मचारियों में, बल्कि पूरे क्षेत्र में शोक और सनसनी का माहौल है। जानकारी के अनुसार, दिलीप सिंह रोज की



तरह सुबह करीब 7 बजे ड्यूटी पर पहुंचे थे।

दोपहर में जब वह नजर नहीं आए, तो सहकर्मियों ने उनकी तलाश शुरू की। फ़िल्टर प्लांट परिसर में उनकी गाड़ी खड़ी मिली। जब सहकर्म पुराने हाजरी घर के अंदर पहुंचे, तो दिलीप सिंह का शव फांसी पर लटका हुआ पाया गया। इसके बाद तुरंत झगराखांड पुलिस को सूचना दी गई। पुलिस मौके पर पहुंची, पंचनामा की कार्रवाई पूरी की और शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया। स्थानीय पुलिस सूत्रों के अनुसार, **MCB SECL**

मंशा से क्लेमोर माइन (पाइप बम) तैयार करने हेतु विस्फोटक सामग्री का डंप छिपाकर रखा गया था। आज डीआरजी टीम जिला पुलिस मोहला- मानपुर-अम्बागढ़ चौकी एवं आईटीबीपी 40 वीं वाहिनी के जवानों द्वारा परबीडीह पहाड़ी क्षेत्र में संयुक्त सर्च अभियान चलाया गया. सर्च अभियान के दौरान

दिलीप सिंह एक जिम्मेदार और मेहनती कर्मचारी थे। फ़िलहाल पुलिस पूरे मामले की जांच कर रही है और पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही आत्महत्या के कारणों की पूरी तस्वीर स्पष्ट हो पाएगी। इस घटना ने क्षेत्र के कर्मचारियों के बीच चिंता और गहरी संवेदना पैदा कर दी है।धियों पर नियंत्रण की दिशा में अहम कदम है और आगे भी ऐसे अभियान जारी रहेंगे, ताकि क्षेत्र में शांति और सुरक्षा सुनिश्चित की जा सके।

संक्षिप्त-खबर

बीजापुर मुठभेड़ में सुरक्षा बलों की बड़ी कार्रवाई, दो इनामी माओवादी डेर

बीजापुर। जिले के थाना बासागुड़ा क्षेत्र में सुरक्षा बलों और माओवादी आतंकियों के बीच भीषण मुठभेड़ हुई। यह मुठभेड़ गगनपल्ली और मुरकीपार के जंगल-पहाड़ी इलाके में हुई, जहां दोनों ओर से रुक-रुक कर फायरिंग होती रही। इस कार्रवाई में सुरक्षा बलों ने बड़ी सफलता हासिल करते हुए दो सशस्त्र माओवादियों को डेर कर दिया।

पुलिस सूत्रों के अनुसार, बासागुड़ा क्षेत्र में 10 से 15 माओवादियों को मौजूदगी की खुफ़िया सूचना मिलने के बाद डीआरजी बीजापुर की टीम ने सर्च ऑपरेशन शुरू किया। जैसे ही सुरक्षा बल जंगल क्षेत्र में आगे बढ़े, माओवादियों ने अचानक फायरिंग शुरू कर दी। इसके बाद सुरक्षा बलों ने मोर्चा संभालते हुए जवाबी कार्रवाई की, जिससे मुठभेड़ तेज हो गई। मुठभेड़ के बाद पुलिस अधीक्षक बीजापुर डॉ. जितेन्द्र यादव ने जानकारी दी कि घटनास्थल से दो माओवादियों के शव बरामद किए गए हैं। मृतकों की पहचान एसीएम हुग्रा मड़काम उर्फ पंचंगा, निवासी ग्राम पूर्वती (थाना जगरगुंडा, जिला सुकमा) और पीपीसीएम आयती मुचाकी उर्फ जोगी, निवासी ग्राम पीनाचन्दा (थाना पामेड़, जिला बीजापुर) के रूप में हुई है। दोनों माओवादी पामेड़ एरिया कमेटी से जुड़े थे और उन पर 5-5 लाख रुपये का इनाम घोषित था। बीजापुर एनकाउंटर के दौरान सुरक्षा बलों ने मौके से एक एसएलआर राइफल, एक मँगजीन में 9 राउंड, 12 बोर का देशी कट्टा, 5 राउंड कार्ट्रिज, स्कैनर सेट, कार्डेक्स वायर, माओवादी पिस्तू, साहित्य और विस्फोटक सामग्री बरामद की है। पुलिस अधीक्षक ने बताया कि इलाके में सर्च ऑपरेशन अभी भी जारी है। उन्होंने कहा कि यह कार्रवाई माओवादी गतिविधियों पर नियंत्रण की दिशा में अहम कदम है और आगे भी ऐसे अभियान जारी रहेंगे, ताकि क्षेत्र में शांति और सुरक्षा सुनिश्चित की जा सके।

सड़क हादसे में घायल युवा इंजीनियर अविनाश गुप्ता का निधन. नगर में शोक

बलौदाबाजार। एक दर्दनाक ने पूरे नगर को गहरे शोक में डुबो दिया है। तीन दिन पहले सड़क दुर्घटना में गंभीर रूप से घायल हुए युवा इंजीनियर और व्यवसायी अविनाश गुप्ता का रायपुर के एक निजी अस्पताल में इलाज के दौरान दुखद निधन हो गया। जैसे ही यह खबर फैली, परिवार, मित्रों और स्थानीय नागरिकों में शोक की लहर दौड़ गई। बताया जा रहा है कि अविनाश अपने परिवार के इकलौते पुत्र थे, जिससे परिजनों का दुख और भी गहरा हो गया है।

प्राप्त जानकारी के अनुसार, अविनाश गुप्ता हाईस्कूल रोड, नगरपालिका के पास स्थित अपने घर से दुकान जाने के लिए निकले थे। इसी दौरान तेज रफ्तार से आ रहे तीन-सवार वाहन ने उन्हें जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर इतनी भीषण थी कि वे सड़क पर गिर पड़े और उनके सिर में गंभीर चोटें आईं। आसपास मौजूद लोगों ने तत्परता दिखाते हुए उन्हें जिला चिकित्सालय पहुंचाया, जहां से हालत नाजुक होने पर उन्हें रायपुर रेफर किया गया। हालांकि, तमाम प्रयासों के बावजूद उन्हें बचाया नहीं जा सका। एक बरा फिर हाईस्कूल रोड की खतरनाक स्थिति को उजागर करता है। यह मार्ग नगर के सबसे व्यस्त रास्तों में शामिल है, जहां हाईस्कूल, कन्या महाविद्यालय, डी.के. महाविद्यालय और कलेक्टर कार्यालय जैसे प्रमुख संस्थान स्थित हैं। कॉलेज समय में तेज रफ्तार वाहन और अव्यवस्थित यातायात अक्सर दुर्घटनाओं का कारण बनते हैं। स्थानीय नागरिकों ने प्रशासन से इस मार्ग पर यातायात पुलिस की तैनाती, गति सीमा के सख्त पालन और तेज रफ्तार वाहन चालकों पर कड़ी कार्रवाई की मांग की है। विशेषज्ञों का मानना ​​है कि प्रभावी ट्रैफ़िक नियंत्रण और सड़क सुरक्षा उपायों से ऐसी घटनाओं को रोका जा सकता है। अविनाश गुप्ता का असमय निधन पूरे बलौदाबाजार के लिए एक पीड़ादायक क्षति है, जिसे नगरवासी लंबे समय तक याद रखेंगे।

धान परिवहन के विरुद्ध सख्त कार्रवाई

महासमुंद्र। कलेक्टर श्री विनय कुमार लंगीह के निर्देशानुसार जिले में अवैध धान परिवहन एवं भंडारण के विरुद्ध लगातार कार्रवाई की जा रही है। इसी क्रम में कल बीती रात एवं आज विभिन्न स्थानों पर की गई जांच के दौरान अवैध रूप से धान का परिवहन करते पाए जाने पर 876 कट्टा धान एवं वाहनों को जप्त किया गया।बागबाहरा विकासखंड अंतर्गत बागबाहरा एसडीएम श्रीमती नमिता मारकोले के नेतृत्व में जांच के दौरान संयुक्त टीम द्वारा खल्लारी क्षेत्र में अवैध रूप से धान परिवहन करते हुए 84 कट्टा धान के साथ एक वाहन को पकड़ा गया, जिसे थाना खल्लारी के सुपुर्द किया गया। इसी प्रकार एक अन्य कार्रवाई में 45 कट्टा अवैध धान परिवहन करते पाए जाने पर संबंधित वाहन सहित धान को भी थाना खल्लारी के सुपुर्द किया गया। इसके अलावा बंजारी नाका में जांच के दौरान दो अवैध धान परिवहन वाहनों को पकड़ा गया, जिनमें लगभग 700 कट्टा धान लोड पाया गया। दोनों वाहनों को जप्त कर आगे की कार्रवाई की जा रही है।

गांजा बेचते महिला पकड़ाई

रायपुर। राजधानी रायपुर की न्यू राजेन्द्र नगर पुलिस ने गांजा बेचने के आरोप में एक महिला को गिरफ्तार किया है तथा उसके पास से सवा किलोग्राम गांजा जब्त किया है। मामले में अरोपी महिला के खिलाफ नारकोटिक्स एक्ट के तहत कार्यवाही की गई है। मिली जानकारी के अनुसार एनटी क्राइम एण्ड साईबर यूनिट की टीम को सूचना मिली कि थाना न्यू राजेन्द्र नगर क्षेत्रांतर्गत मेडिसाईन हॉस्पिटल के पीछे 01 महिला अपने पास गांजा रखी है तथा बिक्री की फिाक में ग्रहाला के बीलाश कर रही है। जिस पर वरिष्ठ अधिकारियों द्वारा सूचना की तस्दीक कर महिला आरोपी को गांजा के साथ पकड़ने हेतु निर्देशित किया गया।